हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार 13 अप्रैल, 2025

तेंदूपत्ता बोनस भ्रष्टाचार की रकम बंटी थी नेता-पत्रकार और अफसरों में, कुंजाम हुए मैनेज

खास बातें

- चार सदस्यीय जांच समिति ने आईएफएस की संदिग्ध भूमिका के चलते उच्च स्तरीय जांच की सिफारिश की
- कई प्रबंधकों ने डीएफओ को राशि देने का बयान जांच समिति को दिए, कुंजाम को भी राशि देने का दिया बयान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि फॉलोअप

तेन्दूपत्ता बोनस में करोड़ों के गबन और रैकेट बनाकर लूट का मामला सुर्खियों में है। एसीबी और ईओडब्ल्यू ने सुकमा के डीएफओ अशोक पटेल समेत कई प्रबंधकों और वन विभाग के अधिकारियों के यहां छापेमारी की है। जिसमें एक कर्मचारी के यहां 26 लाख नगद बरामद भी किया किए गए हैं। पूर्व विधायक मनीष कुंजाम के यहां भी छापा मारा गया। छापे के बाद श्री कुंजाम ने आरोप लगाया कि ▶▶|शेष पेज 7 पर

डीएफओ सुकमा को मिले 84 लाख

जांच दल के अध्यक्ष डीएफओ उत्तम कुमार गुप्ता ने फरवरी में प्रारंभिक और मार्च में फाइनल रिपोर्ट सीसीएफ के पास जमा की, जिसमें सुकमा डीएफओ के अखिल भारतीय वन सेवा संवर्ग के अधिकारी होने के कारण राज्य मुख्यालय स्तर पर उच्च स्तरीय समिति गठित कर जांच करने की उन्होंने सिफारिश की है। जांच ▶▶|शेष पेज 7 पर

ईओडब्ल्यू-एसीबी की पड़ताल, एक साल के बोनस के करोड़ों रुपए की बंदरबांट

तेंदूपत्ता बोनस में गोलमाल पूर्व विधायक समेत अफसरों के दर्जनभर ठिकानों पर छापे

कई अहम साक्ष्य मिलने का दावा

आनन फानन में कुछ संग्राहकों को बांटी गई नगद राशि

छापे के बाद कुंजाम ने सरकार पर लगाए आरोप

सुकमा जिले के कोंटा, दोरनापाल और सुकमा में 2 दिन तक एसीबी और ईओडब्ल्यू ने छापे मारे। पूर्व विधायक मनीष कुंजाम के सुकमा और रामाराम निवास में भी छापा मारकर 2 मोबाईल और निजी डायरी ले गए। इस पर मनीष कुंजाम ने ▶▶|शेष पेज 7 पर

कुंजाम पर भी आरोप

वहीं डीएफओ के कहने पर नेताओं और पत्रकारों को मैनेज करने के लिए राशि देने की बात बयान में आई है। इसमें कुछ प्रबंधकों ने शिकायतकर्ता पूर्व विधायक मनीष कुंजाम को ▶▶|शेष पेज 7 पर

देश में धर्म पर 'कोहराम'

देश में धर्म को लेकर 'कोहराम' मचा हुआ है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज इलाके में वक्फ कानून को लेकर फिर हुए विरोध प्रदर्शन ने अचानक हिंसक शक्ल ले ली, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई। इधर, आगरा में हिंसा

वक्फ बिल के खिलाफ हिंसा, पिता पुत्र समेत तीन की मौत, 110 गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

- हाईकोर्ट ने दिए केंद्रीय बल की तैनाती के निर्देश

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ जारी प्रदर्शन से कथित रूप से जुड़ी हिंसक झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई। मुहिंसा के सिलसिले में 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस बीच, कलकत्ता हाई कोर्ट ने शनिवार को मुर्शिदाबाद के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बल की तैनाती के निर्देश दिए हैं। पुलिस ▶▶|शेष पेज 7 पर

कानून को लेकर राजनीति जारी

इस बीच, ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, जिस कानून को लेकर लोग नाराज हैं, वो हमने नहीं बनाया। ये केंद्र सरकार का कानून है और हमने साफ कहा है कि ये कानून बंगाल में लागू नहीं होगा। फिर ये दंगा किसलिए? वहीं भाजपा ने इस मसले पर ममता सरकार को घेरा।

भाजपा ने की कार्रवाई की मांग

भाजपा नेता ने यह भी कहा कि हिंसा के पीछे कौन है, उन्हें गिरफ्तार कर कठोर कानूनों के तहत मुकदमा चलाया जाए। उन्होंने इस मामले में एनआईए जांत की भी मांग की है। अधिकारी ने कहा कि रेलवे स्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक ▶▶|शेष पेज 7 पर

करणी सेना का प्रदर्शन, तलवार और बंदूक लेकर पहुंचे, पुलिस को निकाला बाहर

एजेंसी ▶▶| आगरा

- यूपी के गढ़ी रामी में क्षत्रियों की हुंकार

यूपी में आगरा के गढ़ी रामी में राणा सांगा की जयंती पर करणी सेना के 'रक्त स्वाभिमान सम्मेलन' का आयोजन किया गया। राणा सांगा की जयंती पर हो रहे इस आयोजन में एक लाख से अधिक के पहुंचे। इसके लिए समाज से जुड़े से जुड़े करीब 10 संगठनों ने जुटने का आह्वान किया गया। सोशल मीडिया पर करणी सेना द्वारा तलवार और रायफल लहराने का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो शेयर कर लोग भाजपा सरकार पर निशाना साध रहे हैं। ▶▶|शेष पेज 7 पर

26 मार्च को हुआ था बवाल

बता दें कि समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान के बाद से बवाल मचा हुआ है। इससे पहले करणी सेना ने 26 मार्च को रामजी लाल सुमन के आवास पर प्रदर्शन कर तोड़फोड़ की थी, जिसमें कई लोग घायल ▶▶|शेष पेज 7 पर

मेरी जान को खतरा : रामजी

इस बीच, सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन का बयान आया। उन्होंने कहा कि हर किसी को विरोध की आजादी है, देश में विरोध करने का भी तरीका है, लेकिन करणी सेना ने जो तरीका अपनाया है, वह अराजकता का तरीका है। मेरा विचार है। यह मेरे ▶▶|शेष पेज 7 पर

नक्सल हिंसा से मुक्ति निवेश की युक्ति में दिख रही विष्णु की सृजनात्मक शक्ति

विशेष टिप्पणी

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

जीवन में सपने तो सभी देखते हैं, लेकिन उनके साकार होने का सुख बिरलों को ही हासिल होता है। छत्तीसगढ़ की मौजूदा पीढ़ी उन भाग्यशाली लोगों की जमात में शामिल होने की ओर अग्रसर है जिन्होंने सुखी और समृद्ध राज्य का सपना अर्से से देखा हुआ था। चार दशक से अधिक समय से नक्सली आतंक का नासूर और जमीन में गड़ी संपदा के बेतहाशा दोहन की चीत्कार ही तो छत्तीसगढ़ की पहचान गठन के समय से बनी हुई थी। लेकिन, अब समय करवट बदल रहा है। विष्णुदेव साय की सरकार के कालखंड में नक्सली मोर्चे पर सुरक्षा बलों की निर्णायक बढ़त और नई औद्योगिक नीति के ऐलान साथ नया रायपुर में गत दिवस सेमी कंडक्टर निर्माण के लिए फैक्टरी का भूमि पूजन आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य की उम्मीद जगा गया है

समृद्ध धरती-गरीब लोग राज्य के लिए गर्व का विषय हरगिज नहीं हो सकता। अपने घर में ही चहल कदमी करने में दहशत और गुजारे के लिए जेवरातों को बेचने को मजबूर रहें तो वह जीवन नारकीय ही कहा जाएगा। अर्से से छत्तीसगढ़ का बड़े भूभाग खासतौर पर बस्तर में हालात ऐसे रहे कि खाकी वर्दी में घूमने से ज्यादा सुरक्षित सामान्य कपड़ों में रहना लगता था। उसी बस्तर से अब हिंसा के दूत नक्सली शांति की पुकार लगाने आगे आ रहे हैं। साथ ही परंपरागत उद्योगों को छोड़कर नए क्षेत्र में निवेश के प्रस्ताव जमीनी स्तर पर उतर रहे हैं। महज सवा साल के कालखंड में यह बदलाव साय सरकार की श्रेष्ठतम उपलब्धि है। आखिर कैसे? नक्सल मोर्चे पर सफलता क्या सुरक्षाबलों के समन्वय और संख्या बढ़ाने भर से हो गया है? हरगिज नहीं। डा. रमन सिंह के शासनकाल से ही नक्सल मोर्चे पर केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय रहा। सुरक्षाबलों की संख्या से भी कोई बड़ा इजाफा इस सवा साल में नहीं हुआ फिर भी अगर अभूतपूर्व सफलता मिल रही है तो इसके मूल में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की दूरदर्शिता अर्थात मोदी-शाह का फैसला है।

विधानसभा चुनाव में चमत्कारिक जीत के बाद मुख्यमंत्री के तौर पर वरिष्ठ आदिवासी नेता विष्णुदेव साय के चयन ने नक्सलियों को नैतिक रूप से कमजोर कर दिया। ▶▶|शेष पेज 7 पर

बंधक व्यापारियों को पुलिस ने कराया मुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जशपुरनगर

जिले के पत्थलगांव कमला राइस मिल में चावल बेचने आए पिता-पुत्र व्यवसायी को राइस मिल के संचालक ने जमकर मारपीट की, घायल पिता पुत्र को करीब 4 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। जिनको पुलिस की मदद से मुक्त कराया गया है। पत्थलगांव एसडीओपी ध्रुवेश जायसवाल ने बताया कि मारपीट के मामले में पीड़ितों की शिकायत पर पत्थलगांव ▶▶|शेष पेज 7 पर

युवक को निर्वस्त्र कर पीटा, छह जेल दाखिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-मालखरौदा

मालखरौदा थाना क्षेत्र के ग्राम बड़े रबेली में एक युवक को निर्वस्त्र करके बेरहमी से पीटने और गांव में घुमाकर अपमानित करने के मामले में पुलिस ने आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सभी को दूसरे दिन जेल दाखिल कर दिया गया। मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार मालखरौदा थाना क्षेत्र के ग्राम बड़े रबेली में बेसिन के युवक राहुल अंचल को बेरहमी से पीटने और उसे निर्वस्त्र करके घूमने का वीडियो वायरल हुआ था। इस मामले में पुलिस ने जानकारी ली तो उक्त वीडियो को ▶▶|शेष पेज 7 पर

दो ईनामी सहित 8 माओवादियों का आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। लोन वर्राटू घर वापस आईये अभियान के तहत डीआरजी कार्यालय दन्तेवाड़ा में शनिवार को 8 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इन माओवादियों में मंगडू मड़काम (30), निवासी टेकलगुड़ा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, सीएनएम सदस्य इनाम 50 हजार, देवा राम कुंजाम (26), निवासी रेवाली बचेलपारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा सीएनएम सदस्य इनाम 50 हजार, हड़मा सोड़ी (48), निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर जीआरडी सदस्य, बुधराम मड़काम (28), निवासी तिमेनार कुंजामपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर भैरमगढ़ एरिया छात्र संगठन सदस्य, जोगा मड़काम (27), निवासी ककाड़ी कामापारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा डीएकेएमएस सदस्य, पायकी कोवासी (26), निवासी मदपाल ▶▶|शेष पेज 7 पर

मिलेंगी सुविधाएं

आत्मसमर्पण कराने में आरएफटी सूचना शाखा दन्तेवाड़ा, 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ एवं 230वीं वाहिनी सीआरपीएफ का विशेष योगदान रहा। आत्मसमर्पित माओवादियों को पुनर्वास नीति के तहत 50 हजार रुपए की सहायता राशि के साथ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधाएं जैसे स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षण, कृषि भूमि मुहैया कराई जाएगी।

बैसाखी पर्व की हार्दिक बधाई...

Project by
VENUS INFRAS

Marketed by
PRITHVI buildcon
Your Dream Abode

In Association With
bda
BDA GROUP

We are thrilled to invite you to the grand launch of

VENUS PARK

A Premium Residential Plots.

PROJECT LAUNCH

APRIL

Sunday 13th 2025

11:30 AM I At Site

13 अप्रैल को बुकिंग कराने पर निश्चित उपहार

50% OFF Registry

T&C APPLY*

Huge Saving of Rs. 1 to 4 Lakh

T&C APPLY*

CG RERA Registration No.
PCGRERA200125001871
CGRERA270125A000845

Location : Behind Brighton International School, Vidhansabha Road, Nardaha, Raipur (C.G.) 92381 93232 venuspark.in

रायपुर
रविवार, 13 अप्रैल 2025
वैशाख कृष्ण पक्ष प्रतिपदा
वर्ष : 23, अंक : 265
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 40.3
न्यून. 27.5

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

यहां फंसा है पेंच

- जिन आयोगों में पेंच फंसा हुआ है उसमें अल्पसंख्यक आयोग है। इसका मामला कोर्ट में चल रहा है। इसके अध्यक्ष बनाए गए अमरजीत सिंह छाबड़ा का कहना है 15 अप्रैल को हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद कोई फैसला आने पर ही पदभार की तिथि तय होगी।

- राज्य खाद आयोग के अध्यक्ष बनाए गए संदीप शर्मा ने कहा, पुराने अध्यक्ष का कार्यकाल अभी बचा है, उनका कार्यकाल पूरा होने पर ही पदभार ग्रहण होगा।

- राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष मोना सेन ने कहा, अभी स्टे लगा हुआ है, इसलिए पदभार ग्रहण करने की तिथि तय नहीं है।

- समाज कल्याण बोर्ड को लेकर बताया जा रहा है कि इसकी नियुक्ति केंद्र से होती है। इसकी अध्यक्ष बनाई गई शालिनी राजपूत को अब तक नियुक्ति पत्र नहीं मिल सका है, इसलिए उनके पदभार की तिथि भी तय नहीं है।

- छत्तीसगढ़ दुग्ध महासंघ को भी केंद्र सरकार के नेशनल डेयरी बोर्ड के साथ मर्ज कर दिया गया है। दुग्ध महासंघ के अध्यक्ष बनाए गए केदार गुप्ता के पदभार की तिथि भी अभी तय नहीं सकी है। उनका कहना है जल्द तिथि तय करके पदभार ग्रहण करेंगे।

निगम, मंडल, आयोग के आधा दर्जन अध्यक्ष के 'पद' में पेंच

राजकुमार ग्वालानी ⏭ रायपुर

खास खबर

प्रदेश सरकार ने निगम, मंडल, आयोग में तीन दर्जन पद बांट दिए हैं। अब जिनको पद दिया गया है, वे लगातार पदभार ग्रहण कर रहे हैं। अब तक 10 ने पदभार ग्रहण कर लिया है। शनिवार को गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, बीज एवं कृषि विकास निगम चंद्रहास चंद्राकर और कृषक कल्याण परिषद के सुरेश कुमार चंद्रवंशी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में पदभार ग्रहण किया। अभी जो भी अध्यक्ष पदभार ग्रहण करने के लिए बचे हैं, सभी मुख्यमंत्री के समय मिलने का इंतजार कर रहे हैं। अल्पसंख्यक आयोग, राज्य खाद्य आयोग, राज्य केश शिल्पी कल्याण बोर्ड, समाज कल्याण ⏭ शेष पेज 7 पर

अब तक 10 ने किया पदभार ग्रहण, 8 के कार्यक्रम में पहुंच सके सीएम

आज से 18 तक लगातार पदभार

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के रामसेवक पैकरा रविवार को पदभार ग्रहण करेंगे। 16 अप्रैल को नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सीएसआईडीसी के राजीव अग्रवाल, साहित्य अकादमी के शशांक शर्मा और पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा 16 अप्रैल को मुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में पदभार ग्रहण करेंगे। 18 अप्रैल को मेडिकल सर्विस कारपोरेशन के दीपक म्हस्के पदभार संभालेंगे।

- आज रामसेवक पैकरा संभालेंगे पदभार
- मुख्यमंत्री 16 को संजय श्रीवास्तव, राजीव अग्रवाल, नीलू शर्मा, शशांक शर्मा के पदभार में होंगे शामिल

इनको मुख्यमंत्री के समय का इंतजार

निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम के लोकेश कावड़िया, लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के प्रफुल्ल विश्वकर्मा, राज्य वित्त आयोग के श्रीनिवास मद्दी, रजककार विकास बोर्ड के प्रहलाद रजक, श्रम कल्याण मंडल के योगेश दत्त मिश्रा, तेलघानी विकास बोर्ड के जितेंद्र कुमार साहू सहित बचे हुए सभी निगम, मंडल और आयोग के अध्यक्षों को मुख्यमंत्री श्री साय से समय मिलने का इंतजार है। मुख्यमंत्री का समय मिलने पर ही पदभार का कार्यक्रम होगा। आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा, औषधि पादप बोर्ड के विकास मरकाम से बताया अभी वे पत्नी के इलाज के लिए बेलूर में हैं, वहां से लौटने के बाद ही इस माह के अंत में पदभार ग्रहण करेंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

स्मार्टफोन, लैपटॉप पर नहीं लगेगा 'ट्रंप टैरिफ'

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ से स्मार्टफोन, लैपटॉप और सेमीकंडक्टर चिप्स बाहर रहेंगे। ये फैसला ट्रंप द्वारा चीन से आयातित वस्तुओं पर 145 प्रतिशत शुल्क और अन्य देशों से आने वाले उत्पादों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन ड्यूटी लगाए जाने के बाद लिया गया है।

दुनियाभर में डाउन रहा वॉट्सएप सर्विस

नई दिल्ली। सोशल मैसेजिंग एप वॉट्सएप भारत सहित दुनियाभर में डाउन हो गया था। यूजर्स मैसेज भेजने और स्टेटस अपलोड करने में परेशानी होने की शिकायत करते रहे। वहीं, कई यूजर्स ने ग्रुप में मैसेज न जाने की शिकायत की। इससे पहले यूपीआई भुगतान में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

कश्मीर घाटी में 5.8 तीव्रता का भूकंप

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में शनिवार दोपहर करीब एक बजे मध्यम तीव्रता का भूकंप आया जिसका केंद्र पाकिस्तान में था।घाटी के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, लेकिन जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। 5.8 तीव्रता के भूकंप का केंद्र पाकिस्तान में था और यह जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

बस-ट्रक की टक्कर में दो की मौत, 15 घायल

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-28 पर एक डबल डेकर बस और ट्रक के बीच टक्कर हो गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि 15 अन्य घायल हो गए। यह घटना जिले के छावनी थाना क्षेत्र के विक्रमजोत चौराहे के पास शुक्रवार मध्यरात्रि के आसपास हुई।

पद्मश्री से सम्मानित रामैया का निधन

हैदराबाद। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित 'वनजीवी' रामैया का शनिवार को तेलंगाना के खम्मम जिले में निधन हो गया। वह 87 वर्ष के थे। रामैया के परिवार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि रेड्डीपल्ली गांव में स्थित पैतृक घर में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। दरिपल्ली रामैया को खम्मम जिले में हरित योद्धा, 'चेट्टू (वृक्ष) रामैया' या 'वनजीवी' नाम से भी जाना जाता था।

फाइलों में दबा भ्रष्टाचार

3 खरब 38 करोड़ की 7 लाख 69 हजार आपत्तियां, निपटारा केवल 2712 का

जिया कुरैशी ⏭ रायपुर

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं और अनुदान प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों के ऑडिट के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आडिट आपत्तियां और वसूली की रकम हैरान भी करती है। बीते वित्तीय वर्ष में 338153790996 रुपए यानी 3 खरब, 38 अरब, 338 करोड़ से अधिक राशि की ऑडिट आपत्तियां सामने आईं है। इन आपत्तियों में निराकरण केवल .35 फीसदी का हुआ। मतलब एक फीसदी से भी कम। संख्या के लिहाज से देखें तो कुल आपत्तियां 7 लाख 72 हजार 209 आपत्तियां थी। इनमें से केवल 2712 का ही निराकरण हो पाया था।

उल्लेखनीय है कि आपत्तियों का निराकरण नहीं होने पर यह माना जाता है कि इन मामलों में वित्तीय अनियमितता, गबन, शासकीय राशि का दुरुपयोग, फिजूलखर्ची, अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा कर्तव्यों की अवहेलना आदि कारणों से शासन के खजाने का नुकसान हुआ है। यह ऑडिट सरकार के वित्त विभाग से संबंधित छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा विभाग ने किया है। इसके आंकड़े हरिभूमि के पास हैं।

- वित्तीय वर्ष 24-25 में कुल आपत्तियां 7 लाख 72 हजार लंबित, कुल राशि 3 खरब 38 अरब
- करीब दो खरब रुपए की वसूली बाकी थी, साल दर साल बढ़ती जा रही है वसूली की राशि

चौंकाने वाले आंकड़े

राज्य संपरीक्षा की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 की स्थिति में प्रारंभिक लंबित ऑडिट आपत्तियों की संख्या 6 लाख 86 हजार 143 थीं। वर्ष के दौरान लिए गए ऑडिट आपत्तियों की संख्या 86 हजार 36 हजार 066 थी। कुल अवशेष ऑडिट आपत्तियों की संख्या 7 लाख 72 हजार 209,वर्ष के दौरान निराकृत ऑडिट आपत्तियों की संख्या 2712 है। अवशेष ऑडिट आपत्तियां 7 लाख 69 हजार 497 रही। इन आपत्तियों में सन्निहित राशि 338 अरब रुपए होती है।

गबन के मामले 1780 : इसी रिपोर्ट के मुताबिक लेखा नियमों की अवहेलना, स्थानीय निकायों द्वारा प्रशासनिक शिथिलता के कारण गबन के मामले सामने आए। दिसंबर 2024 की स्थिति में ऐसे मामलों की संख्या 1 हजार 780 रही। ⏭ शेष पेज 7 पर

राज्य संपरीक्षा करता है ये काम

छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा अधिनियम 1973 की धारा 4(1) एवं 21 (3) के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा अधिनियम के अधीन स्थानीय निकायों का अंकेक्षण(ऑडिट) करता है। छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा द्वारा किये जाने वाले अंकेक्षण कार्य के आधार पर स्थानीय निकायों पर अंकेक्षण शुल्क आरोपित कर शासकीय कोष में जमा करता है। इसके साथ ही गबन(प्रभक्षण) वित्तीय कदाचार आदि के प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही हेतु विशेष प्रतिवेदन निकाय एवं उनके प्रशासकीय विभाग की और प्रेषित करते हुए महालेखाकार को भी सूचित करता है।

छत्तीसगढ़ के 80 विद्यालय ले चुके हैं बोर्ड से संबद्धता

भारतीय शिक्षा बोर्ड, पतंजलि देगा वेद-पुराण व गीता ज्ञान

रुचि वर्मा ⏭ रायपुर

संरक्षक मुरारी बापू, अध्यक्ष बाबा रामदेव, कार्यवाहक अध्यक्ष आईएएस एनपी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज और सचिव आचार्य बालकृष्ण होंगे।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई मान्यता, शैक्षणिक सत्र 2025-26 से शुरुआत	सीबीएसई आईएससी सीजी बोर्ड के बाद नई तैयारी की गई

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ में समान्यतः तीन तरह के बोर्ड से पढ़ाई होती है। सीबीएसई बोर्ड, आईसीएस बोर्ड और छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड। इनके बाद अब छत्तीसगढ़ में भारतीय शिक्षा बोर्ड ने दस्तक दे दी है। भारतीय शिक्षा बोर्ड स्कूलों को मान्यता प्रदान करेगा और छात्रों को अंकसूची प्रदान करेगा। बाबा रामदेव की संस्था पतंजलि इसका संचालन करेगी। सीबीएसई और राज्य बोर्ड से पृथक इस बोर्ड के संचालन के लिए शिक्षा मंत्रालय से अनुमति मिल चुकी है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 से ही यह बोर्ड अपने अधीन अध्यापन कार्य प्रारंभ कर रहा है। विशेष बात यह है कि अब तक प्रदेश 80 स्कूलों ने इस बोर्ड से मान्यता भी ले ली है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड के अनुसार, उनके पाठ्यक्रम में आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ वैदिक ज्ञान संपदा जैसे वेद, उपनिषद, दर्शन, महाभारत, गीता, पुराण, गुरुग्रंथ साहिब, जैन दर्शन, बौद्ध दर्शन आदि के ज्ञानतत्व का ⏭ शेष पेज 7 पर

एनसीईआरटी व सीबीएसई सदस्य भी

भारतीय शिक्षा बोर्ड के संरक्षक मुरारी बापू हैं। वहीं इस बोर्ड के अध्यक्ष बाबा रामदेव को नियुक्त किया गया है। कार्यवाहक अध्यक्ष आईएएस एनपी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी महाराज तथा सचिव आचार्य बालकृष्ण होंगे। सदस्यों में डीएवी विद्यालय ग्रुप की अध्यक्ष पूनम पुरी, एमिटी ग्रुप के अध्यक्ष अशोक चौहान, एमआईटी ग्रुप के अध्यक्ष राहुल कराड, सीबीएसई के प्रशिक्षण निदेशक मनोज श्रीवास्तव और एनसीईआरटी की अंजना अरोरा का नाम शामिल है।

80 स्कूलों से शुरुआत

भारतीय शिक्षा बोर्ड के अंतर्गत पढ़ाई की शुरुआत शैक्षणिक सत्र 2025-26 से ही की जाएगी। प्रदेश के 80 स्कूलों को इस बोर्ड से संबद्धता प्रदान की जा चुकी है।

\- डॉ. सचिन, छग प्रभारी भारतीय शिक्षा बोर्ड

पढ़ेंगे आध्यात्मिक गुरुओं की गाथाएं

बोर्ड का कहना है कि छात्रों को संगीत, चित्रकला, शिल्पकला, नाटक, कठपुतली और नुक्कड़ नाटकों द्वारा शिक्षा प्रदान की जाएगी। छात्रों को रट्टा मार पढ़ाई से मुक्ति देने और विद्यार्थियों पर किताबों का बोझ कम करने का प्रयास भी किया जाएगा। छात्रों को पहली कक्षा से ही संस्कृत की शिक्षा दी जाएगी। पाठ्यक्रम में योग विज्ञान के प्रयोगात्मक और अध्यनात्मक शिक्षा का अनिवार्य रूप से समावेश होगा। इतिहास की पुस्तकों में भारत के क्रांतिवीरों एवं आध्यात्मिक गुरुओं की गाथाओं का समावेश किया जाएगा। पाठ्यक्रम के जरिए विद्यार्थियों को माता-पिता, गुरुजनों और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य बोध कराया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक आदेश

राष्ट्रपति को गवर्नरों के बिल पर तीन महीने में लेना होगा फैसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि राज्यपाल द्वारा भेजे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर निर्णय लेना अनिवार्य होगा। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने फैसले में कहा कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा किए गए कार्य न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं।

दरअसल, तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा लंबित विधेयकों को मंजूरी देने से इंकार कर दिया गया था, जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने मामले में सुनवाई की और तमिलनाडु के राज्यपाल के फैसले को खारिज कर दिया।

...तो उचित कारण बताने होंगे

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, कानून की यह स्थिति स्थापित है कि यदि किसी प्रावधान में कोई समयसीमा निर्दिष्ट नहीं है, तब भी वह शक्ति एक उचित समय के भीतर प्रयोग की जानी चाहिए। अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा शक्तियों का प्रयोग कानून के इस सामान्य सिद्धांत से अछूता नहीं कहा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि तीन महीने से ज्यादा की देरी होती है तो उसके उचित कारण दर्ज किए जाने चाहिए और संबंधित राज्य को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। पीठ ने निर्देश दिया, हम यह निर्धारित करते हैं कि राज्यपाल द्वारा विचारार्थ भेजे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति को उस संदर्भ की प्राप्ति की तिथि से तीन महीने के भीतर निर्णय लेना जरूरी है।

असहमति जताना भी न्यायिक समीक्षा के दायरे में

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, यदि निर्धारित समयसीमा के भीतर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो संबंधित राज्य अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है। यदि किसी विधेयक को उसकी संवैधानिक वैधता के कारण रोका जाता है तो सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कार्यपालिका को अदालत की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। ऐसे मामलों को अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट के पास भेजा जाना चाहिए। अदालत ने कहा, हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि जब किसी विधेयक में सिर्फ कानूनी मुद्दे शामिल हों, तब कार्यपालिका के हाथ बंधे होते हैं और सिर्फ संवैधानिक अदालतों को ही ऐसे मामलों पर अध्ययन कर सुझाव देने का अधिकार होता है।

अम्बेली ब्लास्ट का मास्टरमाइंड एलओएस कमांडर एसीएम अनिल पूनेम मारा गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

फोर्स और नक्सलियों के बीच शनिवार की सुबह हुई मुठभेड़ में 3 माओवादियों को मार गिराया गया है। मुठभेड़ में अम्बेली ब्लास्ट का मास्टर माइंड माटवाड़ा एलओएस कमाण्डर एसीएम अनिल पूनेम को मार गिराने मे सुरक्षा बलों को कामयाबी मिली है।

- 3 वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद

जानकारी के अनुसार इन्द्रावती क्षेत्र के जंगल में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी बीजापुर, ⏭ शेष पेज 7 पर

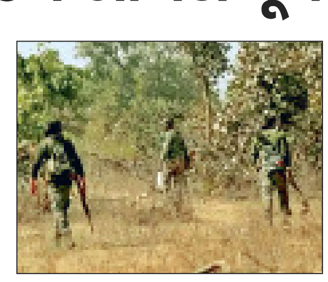

2 अन्य माओवादियों की शिनाख्त की जा रही है

मुठभेड़ स्थल से 3 नग 12 बोर रायफल एवं सिंगल शॉट रायफल एवं अन्य हथियार, विस्फोटक एवं माओवादी सामग्री बरामद हुआ है। मारे गये 2 अन्य माओवादियों ⏭ शेष पेज 7 पर

सर्च अभियान लगातार जारी है

वर्ष 2024 में नक्सल विरोधी अभियान में प्राप्त बढ़त को आगे बरकरार रखते हुए वर्ष 2025 में भी बस्तर संभाग अंतर्गत सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी रूप से प्रतिबंधित एवं गैर कानूनी सीपीआई माओवादी संगठन के विरुद्ध नक्सल विरोधी अभियान संचालित किए जाने के परिणाम स्वरूप विगत 102 दिनों में कुल 121 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किए गए। क्षेत्र में सर्च अभियान लगातार जारी है।

\- सुन्दरराज पी. पुलिस महानिरीक्षक

नेशनल हेराल्ड मामला

ईडी जब्त करेगी एजेएल की 661 करोड़ की संपत्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि उसने 661 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति पर कब्जे के लिए नोटिस जारी किया है, जिसे उसने कांग्रेस नियंत्रित 'नेशनल हेराल्ड' अखबार और 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कुर्क किया था। ईडी ने कहा कि उसने सक्षम संपत्ति रजिस्ट्रार को संबंधित दस्तावेज सौंप दिए हैं, जहां संपत्तियां स्थित हैं। इसके साथ ही, ये नोटिस इन संपत्तियों के 'प्रमुख हिस्सों' पर शुक्रवार को चस्पा ⏭ शेष पेज 7 पर

अपराध से अर्जित आय

ईडी के अनुसार, मामले में कुल 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए थी। कांग्रेस ने पहले जांच को 'प्रतिशोध की रणनीति' करार दिया था। ईडी को भाजपा का 'गठबंधन सहयोगी' बताया था। दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा 26 जून 2014 को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर एक शिकायत का संज्ञान लिए जाने के बाद ईडी ने 2021 में जांच शुरू की थी।

दिल्ली हवाई अड्डे पर मौसम की मार, कई विमानों के रूट बदले

आंधी ने रोका रास्ता, 450 से अधिक उड़ानों में देरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली हवाई अड्डे पर हवाई यातायात की भीड़ के कारण शनिवार को 450 से अधिक उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने हवाई अड्डे पर प्रतीक्षा कर रहे यात्रियों की तस्वीरें और वीडियो साझा किए। प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण शुक्रवार शाम को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर परिचालन बाधित हो गया। इसके प्रभाव से शनिवार को भी उड़ानों की आवाजाही प्रभावित हुई।

एक दिन पहले बदले मौसम का असर

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को अचानक धूल भरी आंधी के साथ तेज हवाएं और बारिश के कारण गर्मी से तो राहत मिली है, लेकिन तेज धूल भरी आंधी से अफरा-तफरी मच गई और कई इलाकों में भारी नुकसान हुआ है।

आज भी बदल सकता है मौसम : उत्तरप्रदेश, दिल्ली और राजस्थान में रविवार को भी मौसम बदल सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि एक और सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में फिर से परिवर्तन आएगा। बारिश के दौरान चलने वाली झोंकेदार हवाओं की गति 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। इसके अलावा राजस्थान में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है।

यात्रियों ने सुनाया दर्द, कहा- किया गया गलत व्यवहार

एक यात्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, दिल्ली एयरपोर्ट पर भारी भीड़ जमा हो गई है। यात्रियों से जानवरों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। दूसरे यात्री ने पोस्ट की, हमारी श्रीनगर से मुंबई की कनेक्टिंग फ्लाइट थी, जो दिल्ली में शाम 6 बजे लैंड होनी थी। उसे चंडीगढ़ डायवर्ट कर दिया गया। हमें मुंबई के लिए एक फ्लाइट में बैठाया गया जो रात 12 बजे थी। सुबह 8 बज गए हैं। हम एयरपोर्ट पर फंसे रहे।

स्टाफ नर्स को अवकाश अवधि का वेतन देने के निर्देश

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि केवल संविदा कर्मचारी होने के आधार पर मातृत्व अवकाश का वेतन देने से इनकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्टाफ नर्स को अवकाश अवधि का वेतन देने के निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने राज्य के अधिकारियों को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता द्वारा मातृत्व अवकाश वेतन की मांग पर नियमानुसार तीन माह के माह के भीतर निर्णय लिया जाए। राखी वर्मा, जिला अस्पताल कबीरधाम में स्टाफ नर्स के रूप में संविदा पर कार्यरत हैं। उन्होंने 16 जनवरी 2024 से 16 जुलाई 2024 तक मातृत्व अवकाश के लिए आवेदन किया था।

समंदर में डूबा हुआ है 5500 टन सोना-चांदी, पानी में समा गए थे खजाना ले जा रहे 250 जहाज

हर किसी का सपना होता है कि उसे कहीं से पड़ा हुआ या गड़ा हुआ खजाना मिल जाए और वो रातोंरात अमीर बन जाए। खजाने की खोज में दुनियाभर के कई लोग ऐसी-ऐसी दुर्गम जगहों पर गए हैं, जहां से कुछ तो वापस ही नहीं लौट पाए। पुर्तगाल के समंदर में हजारों जहाज ऐसे डूबे हैं जिनमें छिपा है अरबों का खजाना। आर्कियोलॉजिस्ट मॉन्टीरो की रिपोर्ट से यह बड़ा खुलासा हुआ। हालांकि कई जगह ऐसे भी हैं, जहां हजारों टन सोना-चांदी पड़ी हुई है, लेकिन कोई भी उसे आसानी से निकाल नहीं सकता। आज हम आपको उस खजाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जो समुद्र की गहराइयों में दफ्न है।

5500 टन सोना-चांदी

जी हां, आज हम आपके समुद्र में दफ्न एक ऐसे ही खजाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे बारे में जानकर आपके भी होश उड़ जाएंगे।साल 2024 के दिसंबर में पुर्तगाल के समंदर में करीब 5500 टन सोना-चांदी का विशाल खजाना मिलने का दावा किया गया था। पुर्तगाल के एक पुरातत्वविद एलेक्जेंडर मॉन्टीरो ने इस खजाने का पता लगाया है।

435 साल पहले डूबे जहाज

पुरातत्वविद एलेक्जेंडर मॉन्टीरो का अनुमान है कि समुद्र की गहराई में करीब 5500 टन से ज्यादा सोना-चांदी हो सकता है, जिसे 435 साल पहले 250 जहाजों द्वारा ले जाया जा रहा था। मॉन्टीरो ने ये भी दावा किया कि समुद्र में आज भी पुर्तगाल के आस-पास वो 250 जहाज हजारों टन सोना-चांदी के साथ समुद्र में डूबे हुए हैं।

हर एक जहाज में रहा 22 टन सोना

एलेक्जेंडर मॉन्टीरो के अनुसार सैकड़ों साल पहले प्रत्येक जहाज पर 22 टन सोना चांदी लादकर समुद्र के रास्ते ले जाया जा रहा था। 1589 में लिस्बन के दक्षिण में एक स्पैनिश गैलियोन जहाज डूबा था। मॉन्टीरो ने दावा किया कि ये विशाल खजाना नोसा सेनहोरा डो रोजारिया समुद्री इलाके में ट्रोजन प्रायद्वीप के पास डूबा है।

कहां डूबा हुआ है खजाना

मॉन्टीरो का कहना है कि 1589 में डूबे स्पैनिश जहाज में 22 टन सोना-चांदी था। ये ट्रोजन प्रायद्वीप के पास लिस्बन के दक्षिण में डूबा था। ऐसे कई जहाज मदीरा, अजोर्स और अन्य इलाकों में बिखरे पड़े हैं। पुर्तगाल के आर्कियोलॉजिस्ट एलेक्जेंडर मॉन्टीरो ने एक खास डेटाबेस तैयार किया है। इसमें करीब 250 जहाजों का जिक्र है जो सदियों पहले समंदर में डूब गए थे। इन जहाजों में करोड़ों का खजाना होने की उम्मीद है।

यहां डूबे हैं 8,500 से भी ज्यादा जहाज

कहा जाता है कि पुर्तगाल के आसपास करीब 8,500 से भी ज्यादा जहाज समंदर की गहराइयों में समाए हैं। इनमें से बहुत से जहाज खजानों से भरे हुए हैं, जो अभी तक खोजे नहीं गए। ये सभी जहाज 16वीं सदी से लेकर आज तक के दौर के हैं।

सुरक्षित नहीं है सोना

चिंता की बात ये है कि पुर्तगाल के पास इन खजानों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था नहीं है। समंदर के नीचे अवैध खजाना शिकारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। आर्कियोलॉजिस्ट चाहते हैं कि इन्हें जल्दी से खोजकर संरक्षित किया जाए।

रोचक खबरें

अरे बाप रे! इतना मोटा चूहा, लकड़ी खाने के लिए गिरा देता है पूरा पेड़

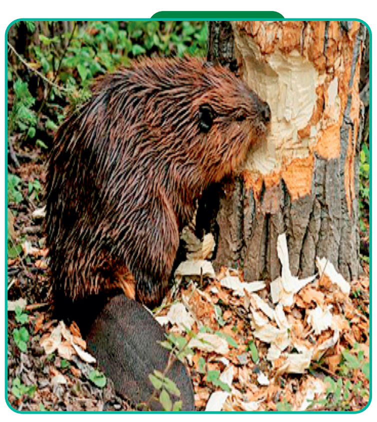

30 से 50 किलो तक वजन,पेड़ गिराने में सक्षम

मोटा चूहा यानि कि वीवर 30 से 50 किलो तक वजनी हो सकते हैं। ये पानी के स्रोतों के आसपास जंगलों में ज्यादा पाए जाते हैं। एक्सपर्ट बीवर को इकोसिस्टम इंजीनियर कहते हैं क्योंकि ये जहां रहते हैं वहां का लैंडस्केप बदलने की क्षमता रखते हैं।

नई दिल्ली। आपने जानवरों को घास-पत्ती, फल या मांस खाते देखा होगा लेकिन क्या आपने किसी जीव को पेड़ को चबाते देखा है। हां, पौधे या डाल नहीं पूरा का पूरा पेड़। हैरत में पड़ गए ना! दुनिया में एक जीव ऐसा भी होता है जो हरे और खड़े मोटे-तगड़े पेड़ को बीच से खाकर धराशायी कर देता है। इसे बीवर कहते हैं। इनके काम से पता चलता है कि दांत कितने धारदार होते होंगे। चूहे की बिरादरी का यह जीव देखने में वैसा ही मगर मोटा चूहा लगता है। ये उत्तर अमेरिका और यूरेशिया के इलाके में पाए जाते हैं। ये इंसानों से दूर ही रहना चाहते हैं। अगर आप भी इनसे दूरी बनाकर रहते हैं तो बीवर नुकसान नहीं पहुंचाते लेकिन फ्रेंड समझने की गलती कभी न करें क्योंकि ये काफी हिंसक होते हैं।

ठंड से पहले जमा कर लेता है खाना

बीवर पेड़ की छाल को कुतरने के बाद बीच वाले हिस्से को भी चबाते जाते हैं और जब पेड़ खड़े रहने की स्थिति में नहीं रहता तो मौका पाकर वहां से निकल लेते हैं। अगले कुछ पलों पर पेड़ जमीन पर पड़ा होता है। ये लकड़ी बड़े चाव से खाते हैं और सर्दियां आने से पहले अपना खाना जमा कर लेते हैं।

सोने सा चमकता घोड़ा, 'स्वर्ग' से जोड़ा जाता है कनेक्शन, कीमत लाखों में

नई दिल्ली। जैसे कुत्ते को इंसानों ने अपना दोस्त बनाया, उसी तरह घोड़े से भी अलग दोस्ती रही है। जब गाड़ी नहीं थी, तब घोड़े की ही सवारी होती थी। जंग लड़ी जाती थी। कई राजा-महाराजाओं के घोड़े इतने चतुर, समझदार और वफादार थे कि उनके नाम आज भी इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं। आज सड़कों पर मोटरकार दौड़ती है लेकिन घोड़े की सवारी का शौक पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। घोड़े रखना सस्ता सौदा भी नहीं है। आपने ब्राउन और ब्लैक रंग के घोड़े देखे होंगे लेकिन क्या चमकता सुनहरे रंग का घोड़ा देखा है? कुछ लोग इसे स्वर्ग से आया घोड़ा मानते हैं। घोड़े की इस नस्ल को अखाल टेके कहा जाता है। इस चमकते घोड़े का कनेक्शन स्वर्ग से भी जोड़ा जाता है।

स्पीड, दिमाग और ताकत के लिए मशहूर : अखाल टेके दुनिया की सबसे पुरानी घोड़े की प्रजातियों में से एक है। इसका कनेक्शन तुर्कमेनिस्तान से है। इतिहास खंगाले तो 3000 साल पहले से इसका जिक्र मिलता है। इस तुर्कमेनी घोड़े को उसकी स्पीड, बुद्धि और ताकत के लिए पसंद किया जाता है। ये लंबी उछाल मारते हैं।

6 साल में तैयार हुई- 1600 किलोग्राम वजन वाली डाइनिंग टेबल

नई दिल्ली। एक ऐसी डाइनिंग टेबल जिसे देखकर हर कोई हैरान रह जाएगा! इस अनोखी टेबल की कीमत 1 करोड़ रुपये है और इसका वजन 1600 किलोग्राम है। इस शानदार डाइनिंग टेबल को सोनापुर के रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के मालिक सुशील तमुली ने बनवाया है। इसे महेश डेका नामक कलाकार ने बड़ी मेहनत से तैयार किया है।

टेबल के साथ कुर्सियां भी डिजाइनदार : खास बात यह है कि इस डाइनिंग टेबल को बेल मेटल से तैयार किया गया है। इसे बनाने में 6 साल का समय लगा है। यह गोल आकार की टेबल है, जिसके साथ 6 सुंदर कुर्सियां भी बनाई गई हैं। इस टेबल को तैयार करने में 65 लाख रुपये का खर्च आया और इसकी बिक्री 1 करोड़ रुपये में होगी। इस भारी-भरकम टेबल को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए क्रेन की जरूरत पड़ेगी।

प्रदर्शन के लिए स्कूल में रखी है टेबल : इस शानदार डाइनिंग टेबल को सोनापुर के रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के मालिक सुशील तमुली ने बनवाया है। फिलहाल, यह टेबल स्कूल में रखी गई है ताकि छात्र, अभिभावक और आगंतुक इसे देख सकें। सुशील तमुली का कहना है कि इस खास टेबल को बनवाने का उद्देश्य कुटीर उद्योगों की विरासत को संरक्षित करना है. उनका यह प्रयास अनोखा है और हस्तशिल्प कला को नई पहचान देने वाला है।

विज्ञान

हजारों साल पहले विलुप्त हुए भेड़िया को दोबारा किया जिंदा

13,000 साल पुराने दांत और 72,000 साल पुरानी खोपड़ी से डीएनए लिया

एजेंसी ▶▶| टेक्सास

विज्ञान की तरक्की की गवाह तो पूरी दुनिया बन रही है। हालांकि, क्या आपने कभी सोचा था कि इसके जरिए एक दिन किसी विलुप्त जानवर को दोबारा धरती पर लाना संभव हो पाएगा? यह चमत्कार असल में हो गया है। जी हां, टेक्सास की एक कंपनी ने 13 हजार साल पहले विलुप्त हो चुकी भेड़िए की एक प्रजाति को फिर से जिंदा कर दिया है। आइए जानते हैं कि यह कमाल कैसे संभव हो सका।

गेम ऑफ थ्रोन्स सीरीज में दिखे तीनों बच्चे

बायोसाइंसेज नाम की आनुवंशिक इंजीनियरिंग कंपनी ने इस चमत्कार को अंजाम दिया है। उन्होंने विज्ञान का सहारा लेते हुए 'डायर वुल्फ' नाम की प्रजाति को पुनः जीवित कर दिखाया है। उनके 'डी-एक्सटिंक्शन' कार्यक्रम के तहत इस नस्ल के 3 नन्हें भेड़ियों को जन्म दिया गया है, जिनका नाम रोमुलस, रेमुस और खलीसी है। आप सभी ने इस प्रजाति के भेड़ियों को मशहूर सीरीज गेम ऑफ थ्रोन्स में जरूर देखा होगा।

इस तरह की जा रही है इन भेड़ियों की देखभाल

कोलोसल ने बताया कि अब ये तीनों भेड़िया 2,000 एकड़ तक फैले पारिस्थितिक संरक्षण में रहते हैं, जहां 10 कर्मचारी उनकी 24सों घंटे देखभाल करते हैं। इन तीनों का एक प्यारा-सा वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ये दूध पीते, सोते, चिल्लाते और खेलते हुए नजर आ रहे हैं। इन भेड़ियों का रंग पूरी तरह सफेद है और ये स्वाभाव से बेहद सक्रिय और चंचल लगते हैं। हालांकि, भेड़िया की इस प्रजाति को बेहद खतरनाक कहा जाता है।

कुत्ते ने दिया है इन भेड़ियों को जन्म

इन प्यारे भेड़ियों को बनाने के लिए, कोलोसल ने दैहिक कोशिका परमाणु स्थानांतरण का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाली कोशिकाओं को अंडों में बदला। उन्होंने इन अंडों को एक मादा कुत्ते के अंदर स्थापित किया, जिसने इन भेड़ियों को जन्म दिया। 3 भेड़िया अब 6 महीने के हो गए हैं, जिनमें से 2 भेड़िये नर हैं और एक मादा है।

जीवाश्मों से निकाला गया डीएनए आया काम

डायर भेड़िया को धरती पर वापस लाने के लिए कंपनी ने इस जानवर के प्राचीन जीवाश्मों से डीएनए निकाला। इसके साथ ही, इस प्रजाति से मेल खाने वाली 'ग्रे भेड़िये' की नस्ल के डीएनए सैंपल भी लिए गए थे। इन दोनों के मेल के जरिए ही इन नन्हें भेड़ियों का जन्म हुआ है। कोलोसल के सीईओ बेन लैम ने कहा, हमारी टीम ने 13,000 साल पुराने दांत और 72,000 साल पुरानी खोपड़ी से डीएनए लिया और स्वस्थ डायर भेड़िया बनाए।

बड़े जानवर भी आसानी से मार डालते थे डायर भेड़िए

डायर भेड़िए बेहद खतरनाक शिकारी हुआ करते थे, जो हिमयुग के दौरान उत्तरी अमेरिका में घूमा करते थे। वे इतने शक्तिशाली और तेज हुआ करते थे कि वे घोड़ों जैसे विशालकाय जानवरों का शिकार कर लेते थे। इनके विलुप्त होने के बाद ग्रे भेड़ियों ने इनकी जगह ले ली। जीव वैज्ञानिकों का कहना है कि डायर भेड़िए ग्रे भेड़ियों की तुलना में 25 प्रतिशत बड़े होते हैं और उनके जबड़े व कंधे ज्यादा मजबूत हुआ करते थे।

धरती पर नहीं, बल्कि मंगल पर है ब्रह्मांड का सबसे बड़ा ज्वालामुखी

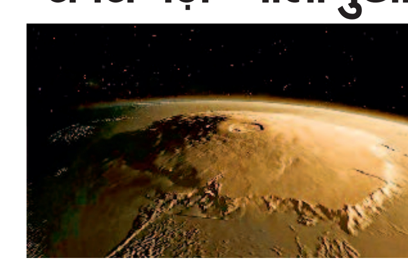

नई दिल्ली। पृथ्वी पर कई सक्रिय ज्वालामुखी मौजूद हैं, लेकिन, इन सभी की ऊंचाई और आकार मंगल ग्रह पर मौजूद एक ज्वालामुखी से बहुत ही कम है। मंगल ग्रह पर स्थित 'ओलंपस मॉन्स' नामक ज्वालामुखी को सौरमंडल का सबसे बड़ा ज्वालामुखी माना जाता है। इसे कोलंबस मॉन्स के नाम से भी जाना जाता है। इसकी खोज 1971 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के 'मरिनेर 9' मिशन के दौरान हुई थी, जब पहली बार मंगल की कक्षा से इसकी तस्वीरें ली गईं।

कितना बड़ा है ओलंपस मॉन्स : ओलंपस मॉन्स ज्वालामुखी की ऊंचाई लगभग 22 किलोमीटर है, जो कि पृथ्वी पर मौजूद माउंट एवरेस्ट से लगभग ढाई गुना ज्यादा है।

इसकी चौड़ाई करीब 600 किलोमीटर तक फैली हुई है, जो एक बड़े देश के बराबर मानी जा सकती है। इसका आधार इतना चौड़ा है कि इसे मंगल की सतह पर आसानी से देखा जा सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह एक ढाल-ज्वालामुखी है, जिसका लावा धीरे-धीरे फैलता है।

क्यों खास है यह ज्वालामुखी?

ओलंपस मॉन्स सिर्फ अपने आकार के कारण ही खास नहीं है, बल्कि इसके सक्रिय होने के संकेत भी वैज्ञानिकों को मिलते रहे हैं।
हालांकि, यह लाखों सालों से शांत है, लेकिन इसकी सतह पर मौजूद लावा बहाव के चिन्ह बताते हैं कि यह एक समय में सक्रिय रहा होगा। मंगल ग्रह का पतला वातावरण और भूगर्भीय गतिविधियों की धीमी गति भी इसे इतना बड़ा बनने में मददगार रहे। इसलिए यह आज भी शोध का बड़ा विषय है।

समुद्र की गहराइयों में छिपी हैं ये रेलवे सुरंगें, जोड़ती है दो देशों को

नई दिल्ली। दुनिया में इंजीनियरिंग के कुछ अजूबे ऐसे भी हैं जिन्हें देखकर तो छोड़िए उनके बारे में सुनकर भी यकीन नहीं होता। कुछ रेलवे सुरंगे ऐसी हैं जो समुद्र के नीचे से गुजरती हैं। यहां पानी की गहराई में पटरियां बिछी हैं जिन पर ट्रेन गुजरती है। एक सुरंग तो इतनी बड़ी है कि दो देशों को जोड़ती है।

सेइकान टनल, जापान : जापान में समुद्र के नीचे बनी सेइकान टनल एशिया की सबसे लंबी और गहराई में बनी रेलवे टनल है। जापान के दो द्वीपों को जोड़ने वाली ये सुरंग किसी चमत्कार से कम नहीं है। इसका 23 किलोमीटर का हिस्सा गहरे समंदर से होकर गुजरता है।

सेईकन टनल की कुल लंबाई 53.85 किमी

सेइकान टनल की कुल लंबाई 53.85 किमी है। ये जापान के होक्काइडो और होंशू द्वीपों को जोड़ती है। इसके समंदर के अंदर वाला हिस्सा त्सुगारू जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। सेइकान टनल में समुद्र तल से लगभग 100 मीटर (330 फीट) नीचे रेल की पटरियां बिछी हुई हैं। इस सुरंग को साल 1988 में खोला गया था। इसे बनाने में 745.5 बिलियन येन की लागत आई थी।

130 दांतों वाले इस खतरनाक समुद्री शैतान को जिंदा कर रहे हैं वैज्ञानिक

नई दिल्ली। समुद्र की गहराईयों में छिपे रहस्यों के बारे में जानने के लिए अक्सर इंसान उत्सुक रहता है। समुद्र की गहराई में वैज्ञानिकों को 2023 में एक विशाल जानवर की खोपड़ी मिली थी, जिसको अंडरवाटर टी-रेक्स कहा गया। आज हम आपको इसी के बारे में बता रहे हैं।

15 करोड़ साल पहले का है यह समुद्री शैतान : ऐसा माना जा रहा है की 6 फीट लंबा जीवाश्म करीब, 15 करोड़ साल पहले पाए जाने वाले समुद्री जानवर का है, जिसका पूरे समुद्र पर राज हुआ करता था। जब से वैज्ञानिकों ने हजारों साल पहले गायब हो गए डायर वुल्फ जिंदा किया तब से ही इस खतरनाक समुद्री शैतान की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसको लेकर लोग सवाल भी पूछ रहे हैं की जब वो जिंदा हो सकते हैं तब तो ये भी जिंदा हो सकता है।

रेसलिंग चर्च चर्च में रोजाना कुश्ती आयोजित की जाती हैं, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती है

इंग्लैंड के इस चर्च में लोग करते हैं कुश्ती

नई दिल्ली। चर्च ईसाइयों का प्रार्थना स्थल होता है, जिसे बेहद पवित्र माना जाता है। ईसाई लोग वहां जा कर यीशु मसीह की पूजा करते हैं और उनसे अपने सभी सुख-दुख बाटते हैं। हालांकि, क्या अपने कभी सुना है कि किसी चर्च में कुश्ती करवाई जाती हो? ऐसा ही कुछ इंग्लैंड के एक चर्च में होता है, जिसकी वजह जानकार आप दंग रह जाएंगे। इसे कई लोग 'रेसलिंग चर्च' यानि कुश्ती वाले चर्च के नाम से भी जानते हैं।

किसने करवाया था इस चर्च का निर्माण?

इस चर्च का असली नाम सेंट पीटर्स एंग्लिकन चर्च है, जो उत्तरी इंग्लैंड के शिप्ले शहर में बना है। इसे 37 साल के गैरेथ थॉम्पसन ने बनवाया था। उनका कहना है कि यीशु मसीह और कुश्ती ने ही उनकी जान बचाई थी, इसीलिए उन्होंने दोनों को एक साथ लाने का फैसला किया था। इस चर्च में रोजाना कुश्ती आयोजित की जाती हैं, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती है।

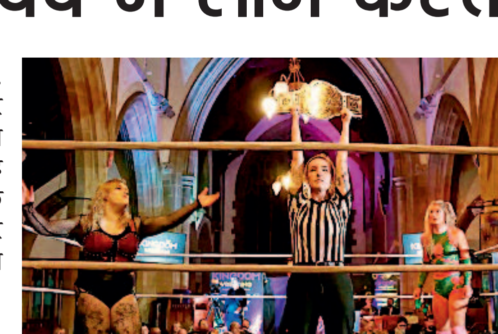

पेशेवर पहलवानों में होती है भिड़ंत

थॉम्पसन बताते हैं कि सभी लड़ाइयां स्क्रिप्टेड होती हैं, यानि पहले से तय होती हैं। हालांकि, लड़ने के लिए पेशेवर पहलवान ही बुलाए जाते हैं। थॉम्पसन का कहना है कि वह कुश्ती करवाकर अच्छाई और बुराई के बीच का अंतर समझना चाहते हैं। उनका कहना है, जब मैं ईसाई बना तो मैंने कुश्ती की दुनिया को ईसाई नजरिए से देखना शुरू किया। मैंने सोचा कि मैं कुश्ती के जरिए ईसाई धर्म की कहानियां व्यक्त करूंगा।

प्रार्थना सभा के बाद होती है कुश्ती

इस चर्च की गुंबद वाली छत के नीचे एक घेरा बनाया गया है, जिसके चारों ओर कुर्सियां लगाई गई हैं। हाल ही में हुई कुश्ती में लगभग 200 लोगों ने शिरकत दी थी। इनमें वृद्ध दम्पति, किशोर, टैटू वाले कुश्ती प्रशंसक, उत्साहित छोटे बच्चे और उनके माता-पिता के साथ-साथ कई वर्ग के लोग शामिल थे। पहले सभी ने मिलकर प्रार्थना की थी और उसके बाद 2 घंटे तक कुश्ती लड़ी गई थी।

जल्द होंगे नीलाम

दुबई में प्रदर्शित की जाएगी शाहजहां की तलवार और अन्य इस्लामी हथियार

दुबई। एक समय था जब भारत पर मुगल राज किया करते थे। इसी दौरान शाहजहां नाम के एक बादशाह हुए, जिन्होनें ताज महल का निर्माण करवाया था। वह तो अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी एक नायाब वस्तु आज भी दुबई में मौजूद है। जी हां, दुबई में शाहजहां की एक तलवार को प्रदर्शित किया जाएगा, जो जल्द ही नीलामी के लिए उपलब्ध होगी। इस तलवार के साथ-साथ कई अन्य इस्लामी हथियार भी प्रदर्शित किए जाने वाले हैं।

कौन करवा रहा है इन हथियारों की नीलामी?

इस्लामी हथियारों और शस्त्रागार के इस दुर्लभ निजी संग्रह की प्रदर्शनी सोथबी नामक नीलामीघर द्वारा आयोजित करवाई जा रही है।

आधिकारिक घोषणा में कहा गया है कि इन हथियारों की नीलामी 29 अप्रैल को लंदन में होगी। उससे पहले 7 से 11 अप्रैल के बीच लोग इस संग्रह के कुछ हथियार देखने जा सकते हैं। इस संग्रह में 100 से ज्यादा वस्तुएं मौजूद हैं, जिन्हें दिवंगत विद्वान फिलिप गिल्स रेने मिस्सिलियर ने जमा किया था।

तलवारों से लेकर कवच तक, शामिल हैं ये वस्तुएं

मिस्सिलियर ने 50 सालों के अंतराल में इस संग्रह को तैयार किया था, जिसमें 500 साल पुराने इस्लामी हथियार भी शामिल हैं। यह संग्रह इंडोनेशिया से लेकर स्पेन तक, कई इस्लामी राजवंशों की परंपराओं को व्यक्त करता है। मिस्सिलियर ने हर एक हथियार को उसके इतिहास और महत्त्व के आधार पर चुना था। इस संग्रह में इस्लामी सैनिकों द्वारा इस्तेमाल किए गए कवच, तलवारें, खंजर और हेलमेट आदि भी शामिल हैं।

संग्रह में शामिल हैं इन हथियारों की भी नीलामी

इस संग्रह में मुगल काल का एक खंजर शामिल है, जो 18वीं सदी का है। इस खंजर पर घोड़े के आकार वाली नक्काशी की गई है, जो उस वक्त के कलात्मक कौशल को दर्शाती है। सोथबी का अनुमान है कि यह खंजर 55 लाख से 77 लाख रुपये के बीच बिक सकता है। इस संग्रह में ओटोमन साम्राज्य की 17वीं शताब्दी की एक दुर्लभ ढाल भी शामिल है, जिसकी कीमत 66 लाख से 88 लाख रुपये तक जा सकती है।

मुख्य आकर्षण रहेगी शाहजहां की तलवार

इस प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण शाहजहां की तलवार ही है, जिन्होनें 1629 से 1658 तक शासन किया था। इस्लाम धर्म में बादशाहों की तलवारों को नाम दिया जाता था और इस तलवार पर 'विश्व पर कब्जा करने वाला' लिखा हुआ है। उनकी सैन्य कुशलता को देखते हुए ही इस तलवार को यह नाम दिया गया होगा। सोथबी का अनुमान है कि इस नायाब हथियार की कीमत 6.63 करोड़ रुपये से लेकर 8.84 करोड़ रुपये के बीच लग सकती है।

फोन पे, पेटीएम और गूगल पे ने किया 3 घंटे परेशान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देशभर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की सर्विस शनिवार को अचानक ठप पड़ गईं। वित्तीय लेन-देन में शिकायत के चलते देश के अलग-अलग हिस्सों से कई यूज़र्स ने सोशल मीडिया और आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म्स पर रिपोर्ट की है। यूजर्स का कहना है कि फोन पे, पेटीएम और गूगल पे ने शनिवार दोपहर को करीब तीन घंटे काम करना बंद कर दिया है। इस तकनीकी खराबी के चलते रोजमर्रा की खरीदारी, बिल पेमेंट और पैसे ट्रांसफर जैसे जरूरी काम प्रभावित हुए।

देशभर में शनिवार को कई बार हुई यूपीआई सेवा ठप!

ऑनलाइन पेमेंट करने में हुई परेशानी, हजारों लोगों ने की शिकायत

अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं : अब तक एनपीसीआई या किसी बड़े यूपीआई प्लेटफॉर्म की ओर से इस आउटेज के कारण या उसके समाधान के समय को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। यूज़र्स को सलाह दी गई है कि वे वैकल्पिक पेमेंट मोड्स जैसे नकद या कार्ड को तैयार रखें जब तक यूपीआई सेवाएं पूरी तरह बहाल नहीं हो जातीं।

कई बैंकों के पेमेंट ऐप पर असर

डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, इस आउटेज के कारण कई बैंकों के पेमेंट ऐप पर भी प्रभावित हुए है। इनमें एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और गूगल पे जैसे बैंक पेमेंट ऐप शामिल है। इस सर्विस के ठप होने के कारण आमलोगों से लेकर व्यापारियों तक सभी को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि वर्तमान में भारत में छोटे से छोटे कामों के लिए यूपीआई का उपयोग किया जाता है।

डाउनडिटेक्टर ने की आउटेज की पुष्टि

इस समस्या के चलते डाउनडिटेक्टर पर शिकायतों की संख्या अचानक बढ़ गई। दोपहर 12 बजे के आसपास शिकायतों की संख्या 1,200 से अधिक पहुंच गई। करीब 66% यूज़र्स ने पेमेंट में समस्या, जबकि 34% ने फंड ट्रांसफर में दिक्कत की शिकायत की। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह कोई एक ऐप या बैंक तक सीमित नहीं है, बल्कि यूपीआई नेटवर्क में व्यापक स्तर पर समस्या आई है। हालांकि अभी इस आउटेज को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है कि इससे देशभर के कौन-कौन से राज्य प्रभावित हुए है।

मार्च में यूपीआई का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

गौरतलब है कि मार्च 2025 में यूपीआई ट्रांजैक्शन का कुल मूल्य 24.77 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह आंकड़ा फरवरी के मुकाबले 12.7% अधिक है। फरवरी में कुल ट्रांजैक्शन का आंकड़ा 21.96 लाख करोड़ रुपये था। यह साफ दर्शाता है कि यूपीआई आज भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में कितनी अहम भूमिका निभा रहा है, हालांकि, बार-बार सर्वर डाउन जैसी घटनाएं यूज़र्स का भरोसा डगमगाने लगी हैं और इससे रोज़मर्रा के लेन-देन बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़

यूपीआई भारत का सबसे तेज़ और आसान इंस्टेंट पेमेंट सिस्टम है, जो आईएमपीएस इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित है। इसके जरिए यूजर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के कभी भी और कहीं भी तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं। यूपीआई का इस्तेमाल छोटे-बड़े दुकानों से लेकर बिल भुगतान और सब्सक्रिप्शन जैसी सुविधाओं में भी बड़ी आसानी से किया जाता है। इसमें आटो पे फीचर की सुविधा भी है, जिससे रिचार्ज और बिल का भुगतान खुद-ब-खुद तय समय पर हो जाता है।

स्किम्ड मिल्क, एसिडिक एसिड के साथ ही शिया बटर का उपयोग कर बना रहे पनीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

नकली पनीर कारोबार के मामले में कार्रवाई, 150 किलो पनीर जब्त, फैक्ट्री को किया गया सील

शादी पार्टियों में मिलने वाले पनीर को अगर आप भी बड़े चाव से खाते है तो एक बार इस बात का ध्यान रख लें कि कहीं ये पनीर मिलावटी या नकली तो नहीं है। ऐसा इस लिए क्यों की शहर में बड़े पैमाने पर नकली पनीर बनाने का कारोबार चल रहा है। स्कीम मिल्क, एसिडिक एसिड के साथ ही सिया बटर का उपयोग कर पनीर बनाया जा रहा है। बीती रात जिला प्रशासन एवं खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी की टीम द्वारा की गई कार्रवाई में इस बात का खुलासा हुआ है। टीम ने इस फर्म को सील कर दिया है लेकिन बड़ी बात यह है कि इसी तरह के कई अन्य फर्म भी है को दूध पावडर से पनीर बनाने का काम कर रहे है और इसमें केमिकल मिलाया जा रहा है। बता दें कि शुक्रवार की देर रात शहर के बिशुनपुर खुर्द में छापेमार कार्रवाई की गई। क्षेत्रीय लोगों की सूचना पर तहसीलदार, खाद्य सुरक्षा अधिकारियों और पुलिस की टीम ने जब बिशुनपुरखुर्द पंचायत भवन के समीप संचालित डेयरी फर्म में छापा मारा तो उनके होश उड़ गए। सागर डेयरी फर्म में बड़े पैमाने पर पनीर का निर्माण किया जा रहा था और इस पनीर को बनाने के लिए केमिकल का उपयोग भी किया जा रहा था। जांच के दौरान डेयरी फर्म में भारी गंदगी देखने को मिली इसके साथ ही डेयरी फर्म का लाइसेंस भी कालातीत हो चुका था।

होगी कार्रवाई

क्षेत्र के लोगों की शिकायत के बाद संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। संचालक के द्वारा एसिडिक एसिड, स्किमड मिल्क के साथ ही शिया बटर का उपयोग कर पनीर बनाया जा रहा था। इसके साथ ही फैक्ट्री में भारी गंदगी थी। फर्म को सील किया गया है इसके साथ ही पनीर का सैम्पल जांच के लिए लैब भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। **-आर आर देवांगन,** वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी

दिल्ली की कोर्ट में बोला आतंकी तहव्वुर

'मुझे ऐसा वकील नहीं चाहिए जो मेरे जरिये शोहरत कमाना चाहे'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के अहम साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर राणा ने दिल्ली की कोर्ट ने आग्रह किया कि ऐसा कोई वकील नहीं होना चाहिए, जो उसके जरिये नाम और शोहरत कमाना चाहता हो। गुरुवार को राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। तहव्वुर राणा को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया।

एनआईए ने कोर्ट से उसकी 20 दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने 18 दिन की हिरासत मंजूर की। एडिशनल सेशन जज चंदर जीत सिंह ने अपने आदेश में कहा, 'आरोपी ने कहा कि ऐसा कोई वकील नहीं होना चाहिए, जो उसके जरिये नाम और शोहरत कमाता हुआ प्रतीत हो। हालांकि, लीगल सर्विस अथॉरिटी एक्ट 1987 में दिए गए वैधानिक योजना के मुताबिक मौजूद हैं, फिर भी आरोपी के आग्रह को मान लिया गया और यह निर्देश दिया गया है कि लीगल सर्विस वकील इस मामले के आरोपी के बारे में मीडिया से बात नहीं करेंगे। यह भी निर्देश दिया गया है कि अगर लीग सर्विस वकील का विवरण पहले से ही मीडिया को नहीं पता है, तो उन्हें मीडिया को नहीं बताया जाएगा।'

मुंबई हमलों का गुनहगार है पाकिस्तानी बेस्ड राणा

वकील के लिए मांगी कुछ उपकरण तक पहुंच

जज ने अपने आदेश में आगे लिखा, 'अभियुक्त ने अपने वकील को निर्देश देने के लिए कुछ उपकरण तक पहुंच मांगी है। इसलिए अभियुक्त को अपने वकील के लिए निर्देश लिखने के लिए स्केच और कागज जैसे नरम टिप के साथ एक इंस्ट्रूमेंट दिया जाए।' तहव्वुर राणा को एनआईए के हेडक्वार्टर के अंदर हाई सिक्योरिटी वाली कोठरी में रखा गया है।

एनआईए हेडक्वार्टर के आसपास कड़ी सुरक्षा

लॉक-अप ग्राउंड फ्लोर पर है और सीआईएसएफ कर्मियों और दो एनआईए अधिकारी इसकी 24 घंटे सुरक्षा करते हैं। सूत्रों ने बताया, '24×7 निगरानी रखी जा रही है और राणा को मुख्यालय कैंटीन से खाना और जरूरी चीजें मुहैया कराई गई हैं।' एनआईए हेडक्वार्टर के आसपास कड़ी सुरक्षा की गई है। बता दें कि राणा पाकिस्तानी सेना की मेडिकल कोर में काम करता था। उसे मुंबई हमलों के 11 महीने बाद अक्टूबर 2009 में शिकागो में गिरफ्तार किया गया था। तहव्वुर राणा पर 26/11 के हमले की योजना बनाने और इसके लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट देने का आरोप है।

पीआईएल में फर्नेस ब्लास्ट दर्जनभर मजदूर घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चांपा

प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। हादसे में 13 मजदूर झुलस गए। घटना की सूचना मिलने पर कलेक्टर और एसपी के साथ आला अधिकारी प्लांट के अंदर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए बिलासपुर और रायपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

प्रकाश इंडस्ट्रीज में शनिवार 12 अप्रैल को सेकंड शिफ्ट के दौरान ओल्ड 15 टन फर्नेस ब्लास्ट हो गया। फर्नेस में ब्लास्ट होने से वहां काम कर रहे अधिकारी कर्मचारी और मजदूरों पर फर्नेश का लावा छिटक गया। गर्म लावा के संपर्क में आने से 13 लोग घायल हुए। जिसमे 4 मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्लांट के अंदर हुए हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। घायलों को आसपास काम कर रहे श्रमिकों ने किसी तरह संभाला।

प्लांट के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। कुछ देर बाद घटना की सूचना पर कलेक्टर और एसपी आला अधिकारियों के साथ मौके में पहुंची और घायलों के प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को बिलासपुर और रायपुर नारायणा अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट की टीम बुलाई गई है।

घुसपैठ को किया सेना ने नाकाम, मुठभेड़ में पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ शहीद

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों की जंग लगातार जारी है। शनिवार को जम्मू जिले के अखनूर सेक्टर में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान पंजाब रेजिमेंट के जेसीओ सूबेदार कुलदीप चंद वीरगति को प्राप्त हो गए। यह मुठभेड़ शुक्रवार देर रात केरी बट्टल इलाके में शुरू हुई थी, जहां सेना और आतंकियों के बीच जमकर फायरिंग हुई। सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी दी कि शहीद कुलदीप चंद ऑपरेशन का नेतृत्व करते हुए शहीद हुए, उन्होंने आतंकियों की घुसपैठ रोकने में अहम भूमिका निभाई। व्हाइट नाइट कोर ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा – "हम उनके सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं।"

अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार कटुता के स्तर तक पहुंच गया है। यूं तो अमेरिका ने जवाबी शुल्क व आयात पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव को तीन महीने के लिए टाल दिया है, इसके पीछे अमेरिका में जनविरोध और टैरिफ को लेकर कई मुल्कों के साथ वार्ता कारण हो सकते हैं, लेकिन इस 90 दिनी रियायत में चीन का नाम नहीं है। मतलब अमेरिका व चीन के बीच आयात व निर्यात नए टैरिफ दर पर ही होंगे। अमेरिका ने 145 प्रतिशत टैरिफ आयद किया है तो चीन ने 125 फीसदी। इस कदम से महंगाई बढ़ेगी। अमेरिका व चीन कई तरह से वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं। ऐसे में यूएस-चीन टैरिफ वार से वैश्विक अर्थव्यस्था अनिश्चतता के भंवर की ओर बढ़ेगी, वैश्विक आपूर्ति सिस्टम प्रभावित होगा और महंगाई बढ़ने से आर्थिक मंदी और गहरी होगी। विश्व रूस व यूक्रेन जंग के चलते आपूर्ति तंत्र के मोर्चे पर संकट से पहले से जूझ रहा है और अब ट्रंप के टैरिफ वार के चलते यह संकट और बढ़ने वाला है। अभी कोई नहीं जानता है कि चीन से अमेरिका की टैरिफ अदावत क्या रुख अख्तियार करेगी, लेकिन इसका असल आर्थिक जलजला जरूर लेकर आएगा। विश्व नई आर्थिक व्यवस्था की ओर बढ़ सकता है, इसमें भारत क्या भूमिका निभा सकता है, यह सब वक्त बताएगा। टैरिफ वार के वैश्विक असर का आकलन करता आजकल का यह अंक...

अनिश्चितता के भंवर की ओर विश्व

टैरिफ वार
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

अमेरिका ने अधिकतर देशों को फिलहाल आयद किए गए टैरिफ रेट को आगामी 90 दिनों के लिए स्थगित करके कुछ राहत प्रदान कर दी है। यदि डोनाल्ड ट्रंप 90 दिनों के टैरिफ के स्थगन के पश्चात पूर्व प्रस्तावित अपनी टैरिफ योजनाओं पर बाकायदा अमल अंजाम देते हैं, तो फिर विगत वर्ष के मुकाबले 28 प्रतिशत टैरिफ दर से इस वर्ष अमेरिका को भारत के निर्यात में तकरीबन आठ अरब डॉलर अथवा तकरीबन सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। वस्तुतः विश्व पटल पर भारत पांचवीं सबसे बड़ी और तीव्र गति से विकास करती हुई अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद संरक्षणवादी व्यापार नीतियों द्वारा भारत को वैश्विक व्यापार की प्रतिस्पर्धा में पीछे धकेल दिया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने प्रथम कार्यकाल में केवल चीन के विरुद्ध व्यापार युद्ध का आगाज किया गया था। अमेरिका में चीन द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान पर पच्चीस प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया गया था। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में भी चीन से आयातित सामान पर ट्रंप सरकार द्वारा आयद किए गए टैरिफ को बाकायदा जारी रखा गया.. किंतु अपने दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत सहित समस्त विश्व के विरुद्ध व्यापार युद्ध का ऐलान कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर 145 प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया गया है। व्यापार युद्ध में चीन द्वारा अमेरिका के विरुद्ध अपनी जवाबी कार्यवाही अंजाम देते हुए, अमेरिका से आयातित सामान पर 125 प्रतिशत टैरिफ आयद करने का ऐलान कर दिया।

अमेरिकन हुकूमत द्वारा अधिकतर देशों को फिलहाल आयद किए गए टैरिफ रेट को आगामी 90 दिनों के लिए स्थगित करके कुछ राहत प्रदान कर दी गई है। यदि डोनाल्ड ट्रंप 90 दिनों के टैरिफ के स्थगन के पश्चात पूर्व प्रस्तावित अपनी टैरिफ योजनाओं पर बाकायदा अमल अंजाम देते हैं, तो फिर विगत वर्ष के मुकाबले 28 प्रतिशत टैरिफ दर से इस वर्ष अमेरिका को भारत के निर्यात में तकरीबन आठ अरब डॉलर अथवा तकरीबन सात प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। वस्तुतः विश्व पटल पर भारत पांचवीं सबसे बड़ी और तीव्र गति से विकास करती हुई अर्थव्यवस्था है। इसके बावजूद संरक्षणवादी व्यापार नीतियों द्वारा भारत को वैश्विक व्यापार की प्रतिस्पर्धा में पीछे धकेल दिया है। भारत में टैरिफ रेट तुलनात्मक तौर पर ऊंचे रहे हैं। वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी महज दो प्रतिशत से भी कम रही है। डोनाल्ड ट्रंप के प्रेसिडेंट निर्वाचित होने के तत्पश्चात अमेरिका की व्यापार नीतियों में बुनियादी बदलाव आ गया है।

भारत को नए अवसर तलाशने होंगे

भारत को भी इस विकट नीतिगत बदलाव से यकीनन जूझना ही होगा। वैश्विक व्यापार पर निर्भर रहने वाले मुल्कों के मुकाबले भारत इन मुश्किल हालात में किसी हद तक खुद को निश्चिंत महसूस कर सकता है, क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था की निर्भरता वैश्विक व्यापार पर अत्यंत कमतर बनी रही है। वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में भारत का कमतर योगदान वस्तुतः भारत के पक्ष में प्रतिबिंब हो सकता है। भारत आमतौर पर वैश्विक व्यापार से किनारा करता रहा है और यही बात संभवतः हमारे लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। लेकिन इस स्थिति से भारतवासी कदाचित संतुष्ट नहीं हो सकते, भारत को वैश्विक व्यापार में नए अवसरों को तलाशने के लिए सदैव तत्पर रहना होगा। साथ ही वैश्विक व्यापार के लिए शनैः शनैः रणनीतिक तौर पर संरक्षणवादी नीतियों का परित्याग करना होगा। उल्लेखनीय है भारत द्वारा अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के लिए कूटनीतिक वार्ता की जा रही है जिनमें अब और तेजी आने की संभावना है। ट्रंप के टैरिफ ने जहां विदेशों में माल बेचने को और अधिक चुनौतीपूर्ण बनाया है, वहीं दुनिया के देशों को नये व्यापारिक साझेदारों और मंडियां खोजने पर विवश भी किया है। भारत को इसका लाभ उठाकर यूरोपीय संघ, अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, लैटिन अमेरिकी और अफ्रीकी देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते अंजाम देने चाहिए। भारत को इलेक्ट्रॉनिक और मोटर के कल-पुर्जों और दवाओं के एपीआई का सप्लाई चेन सुरक्षित बनाने के लिए भी अपने देश में निर्मित किए जाने की प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे चीन के साथ चल रहे व्यापार घाटे और पूंजी पलायन में भी कमी आएगी।

अमेरिकी पूंजी का पलायन रोकने की कवायद

भारत के दवा उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटकी है, क्योंकि उसके एपीआई रसायन चीन से आयात किये जा रहे हैं। यह सही है कि पिछले 30-40 वर्ष से अमेरिका को निरंतर वैश्विक व्यापार में घाटा हो रहा है और उसकी तकरीबन एक लाख करोड़ डॉलर पूंजी प्रतिवर्ष लाभ कमाने वाले देशों में जा रही है। इनमें चीन, यूरोपीय संघ, आसियान, मेक्सिको, वियतनाम, जापान और कनाडा प्रमुख हैं। विगत चार दशकों के कालखंड में अमेरिका के 90 हजार कारखाने बंद हुए हैं और उन कारखानों में काम करने वाले 55 लाख कर्मचारियों की नौकरियां चली गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के इसी व्यापार घाटे को घटा कर अमेरिकी पूंजी का पलायन रोकना चाहते हैं और अमेरिका के विनिर्माण क्षेत्र को पुनर्स्थापित करना चाहते हैं। ट्रंप दुनिया के तमाम देशों पर 'रेसिप्रोकल टैरिफ़' या बराबर का टैरिफ़ लगाना चाहते हैं यानी उन देशों के सामानों पर उतना ही आयात शुल्क लगाना जितना वे अमेरिकी सामानों पर आयद करते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि अन्य देश अमेरिकी सामानों के आयात पर, अमेरिका को निर्यात होने वाले अपने सामानों की तुलना में अधिक टैरिफ़ लगाते हैं। ट्रंप का मानना है कि अमेरिका के 'व्यापारिक साझेदार अमेरिका के साथ भेदभाव करते हैं और ऐसा दोस्त और विरोधी, दोनों तरह के देश करते हैं।'

चीन ने व्यापार युद्ध को स्वीकारा

भारत के अमेरिका के साथ समझौतावादी रुख से एकदम विपरीत चीन ने अमेरिका द्वारा प्रस्तुत की गई व्यापार युद्ध की ललकार को बाकायदा स्वीकार कर लिया है। विस्तारवादी चीन ने अमेरिका के साम्राज्यवादी चेहरे से नकाब उतारने की पहल अंजाम दे दी है। अपने आर्थिक पराभव से परिपूर्ण पतनशील युग में महाशक्ति अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप अपने फरमानों से सारी दुनिया का आर्थिक एजेंडा तय करने की हैसियत में है अथवा नहीं है, इसका फैसला तो अभी शेष है तथा भविष्य में होना है। व्यापार युद्ध स्वीकार करने के चीन के संकल्प की तुलना वस्तुतः तीन वर्ष पहले रूस द्वारा अंजाम दी गई आक्रामक सैन्य पहल से भी की जा सकती है, जबकि यूक्रेन के विरुद्ध सैन्य कार्यवाही शुरू करके अमेरिका और उसके नेतृत्व में नाटो अर्थात अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन को रणनीतिक क्षेत्रों में अपनी सैन्य शर्तें थोप देने की ताकत को रूस द्वारा प्रबल आक्रामक सैन्य चुनौती पेश की गई थी। वस्तुतः विश्व पटल पर परिवर्तित होते हुए शक्ति संतुलन के परिदृश्य को समझने और स्वीकार करने की तत्परता अमेरिका द्वारा कदाचित दिखाई नहीं गई। अमेरिका यदि अपनी नव साम्राज्यवादी फितरत को तिलांजलि दे देता तो यह संभव था कि सन् 2022 में प्रारम्भ हुए यूक्रेन युद्ध और उससे भी कहीं घातक व्यापार युद्ध के भयानक दुष्प्रभावों से दुनिया संभवतः बच निकली होती। चीनी दूतावास की सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा गया कि अगर अमेरिका व्यापार युद्ध या किसी अन्य प्रकार का युद्ध चीन के विरुद्ध लड़ना चाहता है तो हम उस युद्ध को आखिर तक लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

साम्राज्यवादी फितरत की घातक मानसिकता

पश्चिमी के साम्राज्यवादी देशों द्वारा तकरीबन तीन सौ साल तक बाकी दुनिया पर अपनी हुकूमत कायम रखी गईं। साम्राज्यवादी फितरत की घातक मानसिकता आज तक अमेरिका एवं पश्चिमी नाटो देशों की अवचेतना में बरकरार बनी हुई है। इसलिए अमेरिका एवं पश्चिमी जगत बाकी देशों की जटिल समस्याओं पर कदाचित तवज्जो प्रदान नहीं करते। चीन की हुकूमत ने अमेरिकन व्यापार युद्ध की चुनौती को स्वीकार करने के साथ यह स्पष्ट कर दिया कि वह व्यापार संतुलन संबंधी अमेरिकन चिंताओं पर बातचीत करने के लिए तत्पर है। मगर अमेरिका द्वारा चीन के विरुद्ध एक तरफा कार्रवाई अंजाम दिए जाने के ऐलान को चीन कदापि स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। अमेरिकन अखबार वॉल स्ट्रीट जनरल की एक रिपोर्ट के मुताबिक विगत ढाई महीनों में चीन ने सीधी वार्ता के लिए अमेरिकी प्रशासन से संपर्क साधने की निरंतर कोशिश जारी रखी, किंतु अमेरिकी प्रशासनिक अधिकारियों ने चीन की प्रत्येक पेशकश को अस्वीकार कर दिया। अमेरिकन प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा गुमान रहा कि टैरिफ में बढ़ोतरी का ऐलान होने के तत्पश्चात चीन सहित बाकी मुल्कों की हुकूमत बातचीत के लिए गिड़गिड़ाते हुए अमेरिका के द्वार पर आ जाएंगी। अधिकांश मुल्कों के मामले में ऐसा ही हुआ भी। मगर चीन ने अमेरिका का मुकाबला करने का बड़ा जबरदस्त हौसला दिखाया। चीन इस बात को समझने का कौशल भी दिखाया कि मामला सिर्फ टैरिफ तक कदाचित सीमित नहीं है। जो देश तुरंत टैरिफ घटाने के लिए अमेरिकन शर्तों के मुताबिक बातचीत करने के लिए तैयार दिखाई दिए, उनके समक्ष अमेरिका ने कुछ अन्य सख्त शर्तों को पेश कर दिया। चीन ने प्रमुख खनिजों के अमेरिका को निर्यात करने पर प्रतिबंध आयद कर दिया। चीन के ऐसे कड़े कदमों का अंदाजा अमेरिका के प्रशासन तथा अमेरिका के कथित आर्थिक विशेषज्ञ विश्लेषकों को भी नहीं था। सन् 1991 में सोवियत संघ के पराभव के पश्चात विगत चार दशकों के काल में अमेरिका के विरुद्ध कोई देश तनकर खड़ा नहीं हुआ। विश्वव्यापी व्यापार युद्ध से अमेरिका को हो रहे निरंतर नुकसान से अमेरिका में ही गंभीर गहन असंतोष भड़क उठा है। मगर इस सारे परिदृश्य में चीन के साथ जारी व्यापार युद्ध में किसी को किसी राहत की कोई उम्मीद नहीं है। विगत 25 वर्षों में आर्थिक एवं तकनीकी महाशक्ति के रूप में चीन का उदय हो गया , जोकि आजकल विश्व पटल पर व्यापार युद्ध का मुख्य कारण बना हुआ है। इसकी वजह से अमेरिका के आर्थिक पतन की पटकथा तैयार हुई है। चीन के आर्थिक तथा सैन्य उभार को रोकना ही अमेरिका की प्रमुख राष्ट्रीय नीति है।

विश्व व्यापार संगठन के नियमों का उल्लंघन

विश्व व्यापार संगठन के नियम कायदे कानूनों का सरासर उल्लंघन करके अमेरिका के राष्ट्रपति मनमाना आचरण अंजाम दे रहे हैं। ऐतिहासिक रूप से अमेरिका द्वारा सन् 1928 में आर्थिक संरक्षण की नीति अख्तियार की गई थी, इसका नतीजा सामने आया वर्ष 1929-30 के काल में जबकि अमेरिका ने भयानक आर्थिक मंदी का दीदार किया था। सन् 1971 में अमेरिका के राष्ट्रपति निक्सन ने आर्थिक संरक्षणवाद की नीति आयद की थी। परिणाम सामने आया वर्ष 1973-75 में फिर एक दफा अमेरिका को भयंकर आर्थिक मंदी झेलना पड़ी। अब फिर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इतिहास से गंभीर सबक लिए बिना आर्थिक संरक्षणवादी नीति के तहत दुनिया को व्यापार युद्ध में झोंक देने के लिए कटिबद्ध हैं। देखिए भविष्य में क्या परिणाम सामने आता है। ट्रंप के अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के तहत अमेरिका डूबेगा या उभरेगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल अमेरिका के टैरिफ कदमों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चतता जरूर व्याप्त हो गई है।

भारत की कूटनीतिक आर्थिक रणनीति

टैरिफ की चुनौती
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
ख्यात अर्थशास्त्री

यकीनन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच भारत जिस तरह टैरिफ में राहत की कूटनीति और अमेरिका सहित सभी प्रमुख देशों के साथ द्विपक्षीय व मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, उससे आपदा के बीच अवसर भारत की मुठ्ठियों में आने लगे हैं। यह भारत की रणनीति की ही जीत है कि जहां ट्रंप ने चीन पर 125 फीसदी टैरिफ लागू कर दिए हैं, वहीं भारत के लिए घोषित 26 फीसदी टैरिफ 90 दिनों तक के लिए स्थगित कर दी है। इन दिनों जहां टैरिफ की चिंता में दुनिया के शेयर बाजार ढहते जा रहे हैं, वहीं भारत का सेंसेक्स फिर से आगे बढ़ते हुए 75000 से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है। 11 अप्रैल को डॉलर के मुकाबले भारत का रुपया दो साल की सबसे बड़ी बढ़त पर रेखांकित हो रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से बढ़कर 676 अरब डॉलर के स्तर पर है। साथ ही टैरिफ की चुनौतियों के इस वर्ष 2025 में भी भारत की विकास दर दुनिया में सर्वाधिक 6 फीसदी से अधिक के स्तर पर रहने की वैश्विक रिपोर्ट्स प्रकाशित हो रही हैं।

नई व्यापार दुनिया का उदय

गौरतलब है कि 9 अप्रैल को अमेरिका के ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी बातचीत करते हुए दिखाई दे रहा है। ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका का चीन के साथ व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के द्वारा विभिन्न देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद नई व्यापार दुनिया ने जन्म ले लिया है। यह नई व्यापार दुनिया राष्ट्रपति ट्रंप की उस हठ पर आधारित है, जिसमें वे विश्व अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन और अमेरिका के साथ कथित आर्थिक दुर्व्यवहार को रोकने के लिए अमेरिकी अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं को होने वाले किसी भी तरह के कष्ट की अनदेखी करने को भी तैयार हैं। नई व्यापार दुनिया पहले की व्यापार दुनिया से पूरी तरह से अलग है। कल तक दुनिया में मजबूत आर्थिक विश्व व्यवस्था और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के आधार पर विकास की कहानी आगे बढ़ती रही है, वहीं अब संरक्षणवाद तथा द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों का नया सितारा उदित हो रहा है। ऐसे में भारत अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और दुनिया की बदलती आर्थिक सूरत की नई हकीकत के मद्देनजर नई रणनीति के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि भारत से निर्यात के मद्देनजर अमेरिका अत्यधिक महत्वपूर्ण देश है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से दुनिया के विभिन्न देशों को करीब 435 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का निर्यात हुआ है, उनमें से अमेरिका को करीब 18 फीसदी उत्पाद निर्यात हुए हैं।

निर्यात बढ़ने की संभावना

ऐसे में ट्रंप के टैरिफ से भारत के कई प्रमुख निर्यात क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें आईटी, टेक्सटाइल और परिधान, ऑटोमोबाइल, रत्न और आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि उत्पाद

शामिल हैं। भारत के दवा और सेमीकंडक्टर उद्योग पर भी टैरिफ की तलवार लटक रही है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले से भारत के द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में करीब 5.76 अरब डॉलर की गिरावट आ सकती है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के करीब 0.2 फीसदी घटने की आशंका रहेगी। खास बात यह भी है कि ट्रंप के टैरिफ की आपदा के बीच भारत के लिए मौके भी छिपे हैं। भारत जिस तरह से अमेरिका के साथ नए व्यापार समझौते के लिए तथा अन्य देशों के साथ भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के लिए रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ा रहा है, उससे भारत के लिए अमेरिका सहित दुनियाभर के विभिन्न देशों में निर्यात और कारोबार बढ़ाने के मौके भी बढ़ सकते हैं। चूँकि एशिया के उभरते बाजारों में भारत पर टैरिफ फिलीपींस को छोड़कर सबसे कम है। ऐसे में तुलनात्मक रूप से कम टैरिफ से भारत को वैश्विक व्यापार और मैन्युफैक्चरिंग में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका मिल सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अमेरिकी बाजार में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातक देशों की तुलना में भारत पर कम टैरिफ लगा है। खास तौर पर चीन और वियतनाम के मुकाबले भारत बेहतर स्थिति में है। टेक्सटाइल के निर्यात बाजार में अभी से भी बेहतर अवसर मिल सकते हैं। अन्य देशों के सामान अमेरिका में ज्यादा महंगे होने से अमेरिका में भी भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ेगी। यद्यपि भारत में सरकार ने संसद में ट्रंप की नई टैरिफ नीति के मद्देनजर घरेलू उद्योगों के संरक्षण की बात कही है, लेकिन अब देश के उद्योग जगत के द्वारा टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा व अनुसंधान व विकास (आरएंडडी) पर ध्यान देना होगा। इस बात को ध्यान में रखना होगा कि वर्ष 1991 में उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा की ओर बढ़ाने की जो रणनीति लागू हुई, उससे देश को उदारीकरण के लाभ मिले हैं। चूंकि टैरिफ प्रतिस्पर्धा से जुड़े हैं, अगर हम टैरिफ की आड़ में रहेंगे तो प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाएंगे। नए अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भारत को कारोबार करने में आसानी बढ़ानी होगी। लॉजिस्टिक्स व बुनियादी ढांचे में निवेश करना होगा और नीतिगत स्थिरता कायम रखनी होगी। हम उम्मीद करें कि अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच वैश्विक आर्थिक मौकों को मुठ्ठी में लेने के साथ-साथ भारत पर लागू किए जाने वाले 26 फीसदी टैरिफ की चुनौती का मुकाबला करने में भारत के लिए अमेरिका के साथ नया कारोबार समझौता, विभिन्न देशों के साथ नए द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौते और मजबूत घरेलू आर्थिक घटक असरकारक आर्थिक हथियार के रूप में उपयोगिता देते हुए दिखाई देंगे।

कौशल विकास में निवेश हो

सरकार नई व्यापार दुनिया में भारत को रचनात्मक देश बनाने के लिए ऐसी नई आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी, जिसमें बड़े उद्योगों के साथ छोटे और मझौले उद्योगों के लिए भी अनुकूलताएं हों। चूंकि अब दुनिया में नए डिजिटल दौर की नईं संपत्तियों से विकास की मंजिलें तय होंगी, अतएव ऐसी सबसे कीमती संपत्तियों के विकास पर भारत को ध्यान देना होगा। अब भारत में भारी पूंजी वाले उद्योगों को सब्सिडी देने के बजाय शिक्षा और कौशल विकास पर अधिक निवेश किया जाना अधिक लाभप्रद होगा। भारत को सेवा क्षेत्र की नई चमकीली राजधानी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। साथ ही अधिक डिजिटल महारत हासिल करने पर ध्यान देना होगा। निश्चित रूप से ऐसी नई आर्थिक और द्विपक्षीय वैश्विक व्यापार रणनीति से भारत नई व्यापार दुनिया के आकाश में एक चमकते हुए आर्थिक और प्रभावी सितारे के रूप में दिखाई दे सकेगा।

उल्टा भी पड़ सकता है ट्रंप का टैरिफ दांव

दो टूक
सुनील अमर
वरिष्ठ स्तंभकार

चीन और अमेरिका दुनिया के दो बड़े निर्यातक देश हैं जिसमें चीन नम्बर एक पर है और अमेरिका के लाख कोशिश करने के बावजूद पिछले 15 वर्षों से टॉप पर बना हुआ है। अमेरिका के नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो हालिया टैरिफ वार यानी व्यापार कर युद्ध छेड़ रखा है वह बाकी अर्थों में तो नया है लेकिन चीन के मामले में पुराना है। चीन से तो डोनाल्ड ने अपने पहले कार्यकाल यानी वर्ष 2017 से 2021 में ही टैरिफ वॉर शुरू कर दिया था।

वर्ष 2018 में चीन से आयातित स्टील और एल्यूमीनियम पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाकर मौजूदा व्यापार कर युद्ध की नींव रख दी थी। तब बदले में चीन ने भी अमेरिका से आयातित कृषि उत्पादों पर व्यापार कर बढ़ा दिया था। वर्ष 2019 में कोविड महामारी फैलने के बाद दुनियाभर में आवागमन को लेकर हुई बन्दिशों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने तभी मन बना लिया था कि विदेशों, खासकर चीन जैसे देशों पर अमेरिकी निर्भरता को कम करना है। ताजा टैरिफ वॉर को ट्रंप की उसी सोच का विस्तार कहा जा सकता है और अमेरिका के उद्योग प्रधान राज्यों ओहियो, पेनीसिल्वानिया और मिशीगन में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने सत्ता में आने पर टैरिफ लागू करने का वादा भी किया था। आज दुनिया को ग्लोबल विलेज कहा जाने लगा है। आदमियों और देशों के एक-दूसरे से सरोकार बहुत बढ़ गये हैं। उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन का किंग कहा जाने वाला चीन भी यह दावा नहीं कर सकता कि दुनिया के अन्य देशों के सहयोग के बिना उसका काम चल जाएगा। जिन देशों की अर्थव्यवस्था निर्यात आधारित है उन्हें अधिकतम निर्यात चाहिए, इसी प्रकार जो देश युद्धक सामग्री उत्पादन में लगे हैं उन्हें दुनिया में कहीं न कहीं युद्ध चाहिए ताकि उनका माल बिक सके। इसे यूक्रेन के सन्दर्भ से समझा जा सकता है, पहले तो रूस के खिलाफ अमेरिका ने यूक्रेन की बिना शर्त युद्धक मदद शुरू की और अब अमेरिका का मौजूदा निजाम उस बिना शर्त की गयी मदद की कीमत मांग रहा है।

टैरिफ नीति का मुख्य निशाना चीन

अमेरिका की नई टैरिफ नीति से यद्यपि 60 से अधिक देश प्रभावित बताये जा रहे हैं लेकिन उसका मुख्य निशाना चीन ही है। अमेरिका चीन से कितना परेशान है इसका अनुमान उसके वित्त सचिव स्कॉट बेसेन्ट के आठ अप्रैल को व्हाइट हाउस में टैरिफ पर दिये इस बयान से लगाया जा सकता है कि '.....ट्रंप का असल मकसद रीयल विलेन चीन पर हथौड़ा गिराना था क्योंकि वह अमेरिकी व्यापार के लिए परेशानी पैदा करने का सबसे बड़ा स्रोत है.....।'

आर्थिक मोर्चे पर पिछड़ा अमेरिका

आर्थिक मोर्चे पर पिछड़ने के अमेरिका के अपने तमाम घरेलू कारण हो सकते हैं लेकिन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक महाशक्तियों के बीच इस तरह की तनातनी को अच्छा नहीं कहा जा सकता। अमेरिका में भी इस टैरिफ वॉर के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं। वैसे तो अमेरिकी बाजार चीनी खिलौनों तक से पटा पड़ा रहता है लेकिन चीन

जिन बड़े क्षेत्रों में दखल देता है उनमें हैं- स्टील, एल्यूमीनियम, इलेक्ट्रिक वाहन, चिप्स, सेमी कन्डक्टर, सोलर पैनल, बैटरी तथा रेअर अर्थ मिनरल आदि। अमेरिकी बाजारों में उक्त चीनी सामान काफी सस्ते हैं और इनके अमेरिकी उत्पादक चीनी कीमतों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए यद्यपि अमेरिका चिप्स एक्ट और आईआरए यानी इन्फलेशन रिडक्शन एक्ट के तहत घरेलू उत्पादकों को भारी सब्सिडी देता है ताकि वे चीनी कीमतों का मुकाबला कर सकें लेकिन फिर भी अमेरिकी उद्यमी बेहाल हैं और अमेरिका को अंततः लगता है कि चीनी सामानों को भारी टैक्स लगाकर ही महंगा किया जा सकता है। अमेरिका का यह भी आरोप है कि चीनी सरकार जानबूझकर बहुत बड़े पैमाने पर उत्पादन करवाती है और भारी मात्रा में सब्सिडी देती है ताकि अन्तरराष्ट्रीय बाजारों में उसके माल की कीमतों का कोई मुकाबला नहीं कर सके। यही कारण है कि अमेरिका न सिर्फ टैरिफ बल्कि निर्यात पर नियन्त्रण तथा विदेशी पूंजी निवेश पर प्रतिबंध लगाकर देसी उद्योगों को संरक्षण देना चाहता है। चीन अमेरिका के हर टैरिफ रेट का मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। ताजा हालात यह है कि अमेरिका के चीन पर 145 प्रतिशत टैक्स के जवाब में चीन ने 125 प्रतिशत टैक्स लगाने की घोषणा की है। चीन नयी रणनीति के तहत लैटिन अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया तथा मध्यपूर्व के देशों की बाजारों में अपने उत्पादों की पैठ बनाने में लगा है। साथ ही वह ब्रिक्स संगठन का और विस्तार चाहता है ताकि पश्चिमी बाजारों पर उसकी निर्भरता कम हो सके।

एक सवाल उठता है- क्या डोनाल्ड ट्रंप इस टैरिफ युद्ध को छेड़कर अमेरिकियों को लाभ पहुंचा पाएंगे? इसका जवाब हां हो सकता है, यदि वे आयातित सामानों की दर पर ही घरेलू उत्पादों को बाजार में उपलब्ध करा सकें। लेकिन यह आसान नहीं होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिकियों का खर्च बहुत बढ़ जाएगा। घरेलू उत्पादन बढ़ाये बगैर अब तक आयात हो रही वस्तुओं को महंगा कर देने का असर उल्टा हो सकता है। चीन पर प्रतिबंध का असर यह भी हो सकता है कि वहां उत्पादन कर रही कम्पनियां भारत, वियतनाम और मैक्सिको जैसे देशों का रुख करें जहां अमेरिकी टैरिफ कम है। लेकिन यह एक उथल-पुथल का दौर होगा और इस दौरान अमेरिका के अलावा वैश्विक स्तर पर भी महंगाई अनियंत्रित हो सकती है।

घरेलू स्तर पर भी लड़ना पड़ेगा

अमेरिका की बात करें तो उसे वैश्विक स्तर के अलावा घरेलू स्तर पर भी लड़ना पड़ेगा, क्योंकि आयातित कल-पुर्जे महंगे होने के कारण उत्पादन लागत बढ़ेगी और बाजार में सस्ते चीनी सामान से मुकाबला न होने के कारण घरेलू उत्पादक गुणवत्ता से समझौता कर मनमानी कीमत वसूल सकते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने अभी चीन को छोड़कर बाकी देशों को 90 दिनों की मोहलत दी हुई है। उसके बाद देखना होगा कि वे क्या करते हैं। अगर इसके बाद भी वे अपनी जिद पर अड़े रहते हैं तो थोड़ा आगे चलकर देशों की वैश्विक गुटबाजी का परिदृश्य बदल सकता है। मसलन हो सकता है कि दो गुट बनें जिसमें एक अमेरिकी अगुवाई में भारत, यूरोपीय यूनियन, जापान और उत्तरी अमेरिका हो तथा दूसरा चीन की अगुवाई वाला हो जिसमें रूस, कुछ अफ्रीकी देश, दक्षिण अमेरिका तथा दक्षिण पूर्व एशिया शामिल हो। आज का अमेरिका बदलाव के दौर में है और किस्सा कोताह यह कि अगर अमेरिकियों को दैनिक जीवन में राहत मिली और उनका वैश्विक स्टेटस बना रहा तो ठीक है अन्यथा डोनाल्ड ट्रंप अपने इस कार्यकाल में गृहकलह का बीज ही बो देंगे। इतिहास में रूस, चीन और तुर्की जैसे अनेक देशों के आंतरिक असन्तोष व उससे उत्पन्न विद्रोह के उदाहरण तो हैं ही!

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव को विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

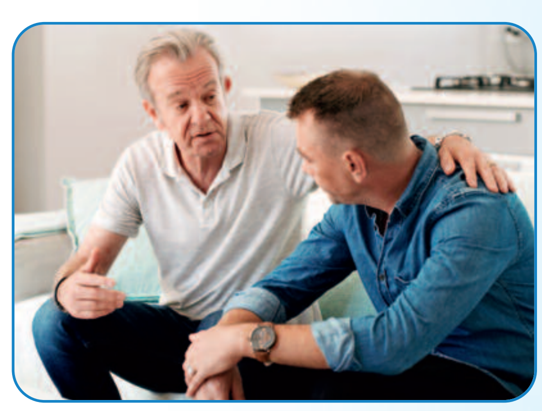

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर
यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरियाः पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्णः इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मानः आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकटः सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमाः अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

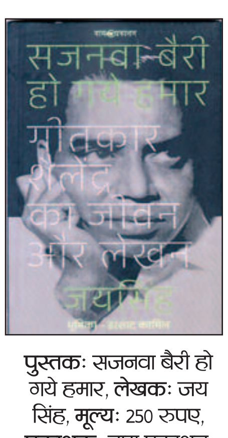

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, **लेखकः** जय सिंह, **मूल्यः** 250 रुपए, **प्रकाशकः** वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाई वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाई। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन ....

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

तरकश
संजय के. दीक्षित

मुलाकात टैक्स 25 हजार

ये दीया तले अंधेरा, जैसा मामला है। रायपुर में एक बड़े साब से किसी आरगेनाइजेशन को मिलना है, तो उसके लिए नजराना याने मुलाकात टैक्स देना पड़ता है। नजराना भी हल्का-फुल्का नहीं...25 हजार से उपर का। हाल ही की बात है, एक रेपुटेडेट संस्था के प्रतिनिधियों ने साब से मिलने के लिए टाईम मांगा। टाईम तो मिल गया मगर साथ में पीए का टका सा निर्देश भी मिला...ठीकठाक कोई गिफ्ट लेते आइयेगा। संस्था के लोगों के लिए ये नया अनुभव था। फिर भी सम्मानजनक गिफ्ट खरीद लिया। मिलने पहुंचे तो सवाल हुआ...कितने का है? बोले, 12 हजार का। प्रशासनिक महिला अफसर बोली...नहीं चलेगा। जहां से लेकर आए हैं, वहां जाकर वीडियोकॉल कर दिखाइये। संस्था वाले गिफ्ट शॉप गए। वीडियोकॉल पर महिला अफसर ने 35 हजार का गिफ्ट सलेक्ट किया। तब जाकर बात बनी। खैर, ये तो छोटी बात है, कई संस्थाओं में मेंबरों की नियुक्तियों के लिए रेट फिक्स कर दिया गया है। बड़ी नियुक्तियों का तो और बड़ा रेट। संभव है, बड़े साब को इन चीजों का भान न हो। अगर ऐसा है तो उन्हें अपने तंत्र पर निगरानी बढ़ानी चाहिए। वरना, मोदीजी का 360 डिग्री वाला राडार एक्टिव हुआ, तो फिर मुश्किलें बढ़ जाएंगी। रायपुर के लोगों ने बड़े लोगों का अच्छा-खासा कैरियर चौपट होते देखा है।

कलेक्टर बहादुर अली

ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ ने आईएएस अफसरों को बुलाकर उन्हें शुचिता का पालन करने की समझाइश दी थी। बताया था कि ब्यूरोक्रेसी के इस बुरे दौर में बहादुर अली बनकर कैडर की और छीछालेदर मत कराओ। मगर नौकरशाहों के जिंस में करप्शन का वायरस ऐसा घुस गया है कि इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन उनके भले की बात कर रहा है, कौन जेल में है, और कौन जेल जाने वाला है। हम बात कर रहे हैं सूबे के एक स्मार्ट क्लेक्टर की। डीएमएफ में सप्लाई का काम करने के लिए उन्होंने अपने साले को बुला लिया है। फर्जी कंपनी बनाकर साला अब पूरे जिले में डीएमएफ और अपने जीजा का झंडा बुलंद कर रहा है। मगर ऐसी बातें छुपती कहां है। छोटी जगह है...पुराने सप्लायरों के पेट पर चोट पहुंचेगी तो वे चुप थोड़े ही बैठेंगे....इसकी कानाफूसी अब राजधानी रायपुर पहुंचने लगी है। ऐसे में, ऋचा और मनोज का कर लेंगे। उन्होंने तो रास्ता दिखाने का काम किया था। अब कोई अपना कब्र खोदने पर अमादा है, तो कोई कुछ नहीं कर सकता।

बड़ी जांच और 3 सवाल

राज्य सरकार ने अभनपुर भारतमाला मुआवजा घोटाले की ईओडब्लू जांच का ऐलान किया था। मगर राजस्व विभाग ने चौंकाने वाला फैसला लेते हुए जांच का दायरा बढ़ाकर 11 जिलों में किया ही, पांचों कमिश्नरों से इसकी रिपोर्ट मांग ली है। जाहिर है, इन ग्यारहों जिलों में नेशनल हाईवे के मुआवजे की बंदरबांट की जांच हो गई तो दर्जन भर से अधिक आईएएस, आईपीएस सलाखों के पीछे जाएंगे, इससे कुछ अधिक राजनेताओं की फजीहत होगी। सैकड़ों सेठ-साहूकारों के खिलाफ केस दर्ज होगा, जिन्होंने भारत सरकार के पैसे को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जाहिर है, ईमानदारी से इस स्कैम की जांच हो गई तो इतना बड़ा बम फूटेगा कि शायद उसके बाद करप्शन से लोग तोबा कर लें। यही वजह है...राजस्व विभाग की इस मेगा जांच पर स्वाभाविक जिज्ञासा और सवाल खड़े हो रहे हैं। पहला, राजस्व विभाग की कड़ाई से जांच वाली छबि नहीं रही। इसलिए आशंका ये व्यक्त की जा रही कि ईओडब्लू जांच से घबरा लिंगारान करने के लिए कहीं कमिश्नरों से जांच तो नहीं कराई जा रही। दूसरा, जांच के लिए कमिश्नरों को पत्र लिखा गया है, उसकी भाषा से प्रतीत होता है, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। क्योंकि, लेटर में लिखा है कि अनियमितता का पूरा डिटेल अपने वेबसाइट पर अपलोड करें। गड़बड़ियों की जानकारी ऑनलाइन होते ही प्रदेश में रायता फैल जाएगा...इतने बड़े-बड़े चेहरे बेनकाब होंगे कि छत्तीसगढ़ हिल जाएगा। और तीसरा सवाल यह है कि क्या भारत सरकार या केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्रालय ने कोई पेंच फंसाया है? अभनपुर स्कैम की जांच के लिए नेशनल हाईव के चीफ विजिलेंस आफिसर ने 2021 से 2024 के बीच कई बार पत्र लिखा था, उसके बाद भी राजस्व विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। कुल मिलाकर इस जांच के पीछे कोई बड़ा राज छिपा है।

सीएस के दावेदार

पिछली सरकार में एसीएस टू सीएम रहे आईएएस सुब्रत साहू का नाम अभी तक मुख्य सचिव के दावेदारों में नहीं लिया जा रहा था। मगर पिछले एक हफ्ते में आश्चर्यजनक रूप से उनकी नाम की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सीएस के लिए इस समय पांच दावेदार हैं। रेणु पिल्ले और ऋचा शर्मा के नाम को अलग कर दें तो तीन बचते हैं। सुब्रत साहू, अमित अग्रवाल और मनोज पिंगुआ। अमित दिल्ली में हैं। अमित शाह उन्हें यहां भेज दें तो बात अलग है। या फिर किसी ईश्वरीय चमत्कार से नारी शक्ति में से कोई दुर्गा बनकर प्रगट हो जाए। वरना, सलेक्शन सुब्रत और मनोज में से होना है। दोनों को तराजू पर तौला जा रहा है। सरकार के मापदंड में जो खरा उतरेगा, उसके नाम पर मुहर लग जाएगा। अब ये अलग बात है कि सलेक्शन के लिए मापदंड क्या रखे गए हैं...जैसा चल रहा है, चलते रहने देना या फिर बदनाम ब्यूरोक्रेसी की छबि बदलना।

एमडी और सीईओ का रहमोकरम

निगम-मंडलों में पोस्टिंग को लेकर राजनीतिज्ञों में बड़ी उत्सुकता रहती है। उन्हें लगता है चेयरमैन बन गए तो फिर तो जलवे होंगे। मगर वास्तविकता से इसका कोई संबंध नहीं होता। पांच-सात मलाईदार निगमों में भी सीईओ और एमडी के रहमोकरम से कुछ मिल जाए, तो बात अलग है। वरना, थोड़ा नवाबी दिखाए तो फिर गाड़ी के डीजल, पेट्रोल पर सवाल उठ जाएंगे...आपको इतने की पात्रता है, इससे अधिक नहीं। दरअसल, सरकारें नेताओं को खुश करने के लिए निगम-मंडलों में पोस्टिंग दे देती है वरना इनका कोई संवैधानिक अस्त्तिव नहीं है। पूरा पावर एमडी और सीईओ में समाहित होता है। टेंडर फायनल करने से लेकर चेक काटने तक। सभी एमडी, सीईओ आईएएस होते हैं। वे उन्हीं चेयरमैनों की थोड़ा-बहुत भाव देते हैं, जो दबंग हो, साथ ही सरकार से करीबी ताल्लुकात। दोनों में से कोई एक हुआ तब भी बात नहीं बनेगी। इस बार निगम की पोस्टिंग के बाद एक मलाईदार चेयरमैन से एमडी मिलने पहुंची तो भावविह्वल होकर उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल दिया...एमडी साहिबा से आत्मीय मुलाकात हुई। अब आप समझ सकते हैं...आगे क्या होगा। चेयरमैनों को अपना सम्मान बनाए रखना है तो सरकार को चाहिए कि संजय श्रीवास्तव से दो दिन की ट्रेनिंग दिला दें कि घोड़े की सवारी कैसे करनी चाहिए। संजय इसमें माहिर हो चुके हैं।

बीरबल की खिचड़ी

छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल का विस्तार बीरबल की खिचड़ी हो गई है, जो पकने का नाम नहीं ले रही है। दिसंबर में शपथ होते-होते नहीं हुआ और इस बार तो बेचारे एक भावी मंत्रीजी ने पंडरी से लीनेन का कपड़ा लेकर दर्जी से रातोरात कुर्ता और जैकेट सिलवाया, क्योंकि दिसंबर में बनवाए थे, वो थोड़ा टाईट हो गया था। इस बार उन्होंने बधाइयां भी स्वीकार करना शुरू कर दी थी। मगर राजभवन में शपथ लेने का ख्वाब बिखर गया, जब 9 अप्रैल को देर शाम तक शपथ का कोई फोन नहीं आया। बताते हैं, दिसंबर में एक बड़े नाम पर ब्रेक लग गया और इस बार एक छोटे नाम पर उपर में सहमति नहीं बन पाई। बहरहाल, इस बार मिंत्रमंडल विस्तार को ऐसा करंट लगा कि अब जब तक अधिकारिक घोषणा नहीं होगी, कोई भरोसा नहीं करेगा। दिक्कत यह है कि सौदान सिंह टाईप दिल्ली में दमदारी से बात रखने वाला छत्तीसगढ़ बीजेपी में कोई पर्सनाल्टी नहीं है। इसका नुकसान राज्य का हो रहा है। कैबिनेट में दो-दो, तीन-तीन पद लंबे समय से खाली हैं।

अजब एसडीएम, गजब करप्शन

शासन-प्रशासन में करप्शन के भांति-भांति के किस्से अपन सुनते हैं। मगर ये जरा हटकर है। बिलासपुर के एक एसडीएम और पटवारी ने हॉरिजंटल नहर को वर्टिकल बना दिया। दरअसल, कोविड काल में जब लोग जान बचाने बदहवास थे, तब 1141 करोड़ के नहर के मुआवजा के खेल में एसडीएम और पटवारी व्यस्त थे। दोनों ने नहर के एलाइनमेंट में आएं-बाएं चेंज करके कइयों को करोड़पति बना दिया और खुद भी कई खोखा भीतर कर लिया। बिलासपुर शहर से लगे सकरी में एक फर्जी व्यक्ति को साढ़े तीन करोड़ का मुआवजा देने कागजों में नहर को 200 मीटर शो कर, जिस जमीन का 20 लाख एकड़ रेट था, उसे 12.5 करोड़ रुपए एकड़ के हिसाब से मुआवजा दे दिया। वो भी जिसकी जमीन थी, उसे नहीं किसी और को। उन्हें लगा कि कोविड में कौन बचेगा, कौन नहीं? फिर देखा जाएगा। मगर उनकी सोच गलत निकली। जिसकी जमीन थी, वह कोविड में बच गया और प्रगट होकर शिकायत कर दी। शिकायत में एसडीएम समेत राजस्व विभाग के छह मुलाजिम दोषी पाए गए। मगर वक्त का खेल देखिए कि अभनपुर मुआवजा घोटाले में दो राप्रसे अधिकारी कुर्रे और साहूजी सस्पेंड हो गए मगर अरपा भैंसाझाड़ नहर वाले एसडीएम तिवारीजी बड़े चतुर निकले...जुगाड़ लगा वे बिलासपुर में नोट छापने वाली जगह पर बैठ गए। है न कमाल की बात। ठीक कहते हैं, समरथ को, नहीं, दोष गोसाई।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. किस ब्यूरोक्रेट्स ने अपने लाड़ले के लिए 75 लाख का घोड़ा खरीदा है?
2. चाणक्य ने ऐसा क्यों कहा है, राजा को राजकाज में अतिसंकोची नहीं होनी चाहिए?

एंगी नजर, ट्रेलर जारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो की आगामी वेब सीरीज 'खौफ' की इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। इसमें मोनिका पंवार, रजत कपूर, गीतांजलि कुलकर्णी और शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'बिग बॉस 18' की प्रतियोगी चुम दरांग भी इसका हिस्सा हैं।

आखिरकार अब निर्माताओं ने 'खौफ' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो हॉरर और सस्पेंस से भरपूर है। आइए जानें आप यह वेब सीरीज कब और कहां देख पाएंगे। 'खौफ' का प्रीमियर 18 अप्रैल से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।

निर्माताओं ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 'जो दिखता है, जरूरी नहीं वो सच हो।' पंकज कुमार और सूर्या बालाकृष्णन ने मिलकर इस सीरीज का निर्देशन किया है। संजय राउत्रे और सरिता पाटिल इसके निर्माता हैं। इसमें प्रियंका सेतिया, रश्मी जुरैल मान, रिया शुक्ला, आशिमा वरदान, शालिनी वत्स, गगन अरोड़ा और सत्यम शर्मा जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आएंगे।

कार्तिक अगली फिल्म में सांप से लड़ेंगे, शीर्षक से उठा पर्दा

मुंबई। अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों सफलता के रथ पर सवार हैं। पिछली बार वह फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आए थे, जिसमें हमेशा की तरह उनके काम को काफी सराहा गया और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने खूब नोट छापे। आने वाले समय में कार्तिक कई चर्चित फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगे। इन्हीं में से एक करण जौहर और महावीर जैन की फिल्म है। आखिरकार अब कार्तिक की इस फिल्म के शीर्षक से पर्दा उठ गया है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, कार्तिक, करण और महावीर की फिल्म का नाम 'नागजिला' रखा गया है। यह हॉलीवुड की ब्लॉबस्टर फिल्म 'गॉडजिला' से प्रेरित है। फिल्म की कहानी पहले ही लिखी जा चुकी है। कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग सितंबर, 2025 में शुरू हो सकती है। सूत्र ने बताया कि एक पोस्टर के साथ 'नागजिला' की आधिकारिक घोषणा जल्द ही की जाएगी। टीम ने पहले ही एक फोटोशूट कर लिया है।

---

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी — सुविधा हमारी —
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5,8,10 पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहने, खाने की सुविधा, वेतन 14500 से 19000 तक MO. 8109070600. (RO-7086)

आवश्यकता है- उरला इंडस्ट्रीयल ऐरिया (रिंग रोड न.२), रायपुर में सिक्यरिटी गार्ड की आवश्यकता है। PF/ESIC सुविधा, बोनस, छुट्टी इत्यादि । डाइरेक्ट कम्पनी के रोल में भर्ती। सम्पर्क करे: 9993103927. (RO-175)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- हॉस्पिटल में कार्य करने हेतु प्रशिक्षित व अनुभवी नर्सिंग स्टाफ बी.एस.सी नर्सिंग, जी.एन.एम व कंप्यूटर ऑपरेटर एवं डायलिसिस टेक्निशियन एवं वार्ड बाय एवं स्वीपर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें- श्री कृष्ण हॉस्पिटल न्यू राजेंद्र नगर रायपुर छत्तीसगढ़ मोबाइल नंबर - 9691631006, 9617952445. (RO-7075)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु सेल्समेन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, संपर्क समय सुबह 10.30 से रात 9.30, विरदीचंद मानकलाल जैन कंकालीपारा रायपुर 9425216364, 9340477419 (RO-OM)

सेल्सएक्जीकेटिव/ड्रायवर

आवश्यकता है- मोहबाबाजार और सुंदर नगर स्थित इंटीरियर प्रोडक्ट की शॉप देसी इंटीरियर हेतु सेल्स एक्जीक्यूटिव, ड्राइवर, सफाईकर्मी और कारपेंटर की आवश्यकता है। सैलरी प्लस इंसेंटिव योग्यतानुसार। संपर्क करें 8815042225, 8103374120.पर (RO-7087)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी/ 12वी पास लड़का चाहिए। आयु 20 से 25 वर्ष । वेतन योग्यता अनुसार। मिलने का समय 12 से 02 बजे। संपर्क- खन्ना एडवरटाइजर्स, A5/2, सेक्टर- 1, शंकर नगर, रायपुर, मो. - 9300160003, 9300160001. (RO-437)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- बच्चो के थोक कपड़ा दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क- ज्योति किड्स वियर, B-5, IGVP, पंडरी, रायपुर, 9425215272.(RO-436)

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में काम करने के लिए लडको की जरूरत है पता किरण सेल्स माता गरेज के पीछे कांच घर के पास mo 9425219482. (RO-OM)

आवश्यकता है- दुकान कार्य हेतु मेहनती लड़कों तथा अन्य कार्य हेतु शिक्षित लड़कों की आवश्यकता है। रहना खाना सुविधा उपलब्ध। संपर्क: न्यू हीरा बेकरी, टिकरापारा, रायपुर. 9754178006. (RO-384)

हेल्पर/वेटर

आवश्यकता है- जय स्तंभ चौक स्थित रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु किचन हेल्पर, वेटर एवं ड्राइवर की आवश्यकता है. आकर्षक वेतन दोपहर 12 से शाम 5 के मध्य संपर्क करें- गिरनार रेस्टोरेंट, जय स्तंभ चौक, रायपुर मोबाइलर- 8640062523. (RO-1640)

असिस्टेंट/काउंसलर

आवश्यकता है- नर्सिंग कॉलेज में ऑफिस असिस्टेंट कम काउंसलर चाहिए एवं आया बाई -2 की आवश्यकता है रहने की सुविधा संपर्क: बांठिया हॉस्पिटल राजा तालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009.(RO-om)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

एच आर/टीचर

Requirment- HIRING Experienced PGT (P,C,B)/ TGT/ PRT Teachers, Typist and Receptionist. salary 5000 - 12000. Apply with resume at UJJWAL SCIENCE ACADEMY, Arya Nagar, Kohka. 9340470410, 7987094063. (आरो नं.-723)

सेल्समैन

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, RAIPUR) मे काम करने के लिए मेहनती स्टाफ लड़का / लड़की की आवश्यकता एवं सेल्समेन की आवश्यकता है मो.7067048454. (RO-7085)

ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित रियल स्टेट कंपनी में भिलाई लोकेशन हेतु, ऑफिस बॉय की आवश्यकता है, 10 वी पास एवं अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार। संपर्क- 8898306907.(आरो नं.-721)

ड्राईवर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- हर्ष मीडिया को छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में Intra V- 30- LED वेन चलाने ड्राइवर की आवश्यकता है। अनुभवी ड्राइवर लाइसेंस, आधार कार्ड व अन्य विवरण सहित, भिलाई सुपेला मो.8103653530, 8225022889, 9827806026, (आरो नं.-7172)

आवश्यकता है- ड्राईवर, माल छोड़ने के लिए लड़के, एवं कंप्यूटर ऑपरेटर लेडीस या लड़की और पैकिंग कार्य के लिए महिलाओं की आवश्यकता है, रहने की सुविधा रावणभाटा राधास्वामी नगर रायपुर Mob . 9893115061.(RO-om)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मार्केटिंग एक्जीकेटिव

Celesty ICE CREAM
PURE MILK PURE ICE CREAM
REQUIRED
Distributor & Marketing Executive.
Area - All Districts & Town (CG)
info.celesty@yahoo.com
9109124267

इलेक्ट्रीशियन

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीशियन कम सुपरवाइजर बंगले एवं ऑफिस में कार्य हेतु अनुभवी इलेक्ट्रीशियन कम सुपरवाइजर की आवश्यकता है। अनुभवः 5 से 10 वर्ष योग्यताः डिप्लोमा या आईटीआई पास वेतनः 15000 से 30000 तक केवल अनुभवी उम्मीदवार ही संपर्क करें। संपर्क करें:- 9109972720. (RO-om)

मुंशी/एकाउंटेंट

आवश्यकता है- कोल्ड स्टोरेज मे कार्य करने हेतु - मुंशी 2 पद, एकाउंटेंट 1 पद की आवश्यकता है, अनुभव 3 वर्ष, सैलरी योग्यता अनुसार। पता - बेनी कोल्ड स्टोरेज रिंग रोड नं. 3, गिरोद, रायपुर.मो. नं. 9009491669. (RO-A)

स्टेशनरी कार्य

आवश्यकता है- बुक डिपो व स्टेशनरी में कार्य करने हेतु ग्रेजुवेट लड़को/ लड़कियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता । वेतन योग्यतानुसार। संपर्क :- रामचंद बुक स्टाल,राज टाकीज के पास, पुराना बस स्टैंड, रायपुर (RO-456)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- AMRUTHA HOSPITAL रिसाली, भिलाई में ड्यूटी डॉक्टर BAMS वेतन -12000 से 20000/- (योग्यतानुसार) ,Bsc nursing वेतन 8000-15000/-, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन एवं Gnm/Anm एवं ट्रेनी की आवश्यकता है। संपर्क- 9407941063. (आरो नं.-725)

क्लासीफाईड

काउंटर/ड्राइक्लीन

आवश्यकता है- अमृत साड़ी पॉलिश सेन्टर पंडरी रायपुर प्रेस, धुलाई, काउंटर स्टाफ और ड्राइक्लीन से संबंधित कार्य के लिए लड़कों और कारीगर की जरूरत है 8103688822, 7999136268 (RO-4948)

ऑफिस बॉय/ड्रायवर

आवश्यकता है- लड़का चाहिए ईमानदार मेहनती ऑफिस बॉय चपरासी चाहिए जरूरतमंद ही संपर्क करें वेतन 8000 से शुरू फोन 9399463415 (RO-3840)

आवश्यकता है- 1.पैकर- किताबों के बंडल बाँधने 12वीं पास लड़कों की। 2. ऑफिस बॉय- ऑफिस कार्य हेतु ग्रेजुएट लड़कों की। 3. ड्राईवर- मैन्युअल व आटोमेटिक गाड़ी हेतु। संपर्कः 11.00- 1.00, युगबोध डिजिटल प्रिंट्स, 6, समता कॉलोनी, भीमसेन भवन के सामने, रायपुर (छ.ग.) फोन- 0771-4200932. (RO-483)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य बच्चे 8 वर्ष को रखने और घर कार्य हेतु बाई चाहिये समय सुबह 9 से शाम 5 बजे तक रहना खाना दिया जाएगा बोरसी दुर्ग को प्राथमिकता दिया जाएगा मो 9993282748. (RO-A)

अकाउन्ट/मार्केटिंग

आवश्यकता है- महिला कंप्यूटर, Telly account, हिंदी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग, PA, आफिस वर्क, चाय+सफाई! पुरुष : मेडिकल मशीन /ऑर्थो orthopedic समान मार्केटिंग & सर्विस, समान लाने लेजाने हेतु पुरुष, गार्ड (रात + डॉग के लिए), Car Driver, 14000 - 25000, *भारत मेडिकल सिस्टम*, MIG 70, नेहरू नगर, बिलासपुर 7879177222 *PINAKA मेडिकल*, Sec 11, कमल विहार, Raipur 9326609234 ((RO-37396)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

कृषी कार्य

आवश्यकता है- मेन रोड टच केंशो एँग्रो फार्म उमरेड नागपुर में पशुपालन व खेतीकाम के लिए पती-पत्नी जोड़ा चाहिए. रहणे की उत्तम व्यवस्था. आकर्षक वेतन. पर्मनंट नोकरी. भीमराव ढोके 9869823811. (RO-M)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइविंग स्कूल में काम करने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है।संतोषी नगर, भाटागांव, चंगोराभाटा 9826750807, 8319744465. (RO-7089)

अन्य

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी भारतीय वनविभाग में सीधी पक्की भर्ती, परमानेंट बेसेस पर, आवेदन करें, 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां , पद - वनसिपाही, वनरक्षक, क्लर्क, वनपाल सैलरी -25000/- से 35000/-आवेदन के लिए, आधारकार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट व्हाट्सएप / संपर्क करें - 9933803418.(RO-801)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 8521185983 (RO-777)

आवश्यकता है- नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 9202613238. (RO-749)

Property प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है- विधानसभा रोड, ज्ञान गंगा स्कूल के पास रायपुर में 1000 वर्ग फुट का सर्व सुविधा युक्त (सी.जी. रेरा अप्रूव्ड) आवासीय स्वतंत्र कॉर्नर प्लाट तुरंत बेचना है संपर्क करें:- संजय कोल्हे मोबाइल नंबर 9424216845. (RO-A)

प्लॉट बेचना है - TNC अप्रूव्ड कमर्शियल प्लॉट बिक्री हेतु, ब्रह्मलोक आश्रम के सामने, कुम्हारी,परसदा में अब रेजिडेंशियल प्लॉट रेट में उपलब्ध ।ऑफर सीमित समय तक, 90% बैंक फाइनेंस के साथ। 9990440140, 9991118972. (RO-OM)

प्लॉट उपलब्ध है- नई राजधानी का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन – केंद्री, रायपुर के पास सेमी-कमर्शियल प्लॉट उपलब्ध। संपर्क करें: 9990440140, 9991118972. (RO-OM)

बिक्री(सुसिज्जत ऑफिस)

बेचना है- एज कमर्शियल कॉम्प्लेक्स (एज बिल्डिंग) विधानसभा रोड, मोवा ,रायपुर में स्थित सुसज्जित ऑफिस (386 वर्गफीट) बेचना है। खरीददार संपर्क करें कृपया ब्रोकर संपर्क न करें। संपर्क - मो. 7067925702 & 9425532376.(RO-4941)

मकान

मकान बेचना है- द्वारका विहार दलदल सिवनी में 700 स्क्वायरफीट जमीन पर बना नवनिर्मित नक्शा पास 2BHK डुप्लेक्स मकान बेचना है फाइनेंस सुविधा उपलब्ध संपर्क 9826122216.(RO-7090)

कृषि/प्लाट

बेचना है- रायपुर से 8 किलोमिटर, अम्लेश्वर कुम्हारी मेनरोड ग्राम मगरघटा, रेरा एप्रूव्हड, मल्टी स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट में 1291वर्गफीट के 2 अलग अलग आवासीय प्लॉट जिसमे एक 800 वर्गफीट का हाल, लेटबाथ, किचन दूसरा खाली प्लाट एवम उससे लगा हुआ 54000 वर्गफिट कृषि फार्म,बोरिंग मकान सहित बेचना है:- 9425208876, 9425211325. (RO-350)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

For Rent किराया

किराये से देना है- दक्षिण गंगोत्री सुपेला भिलाई, vivo सर्विसिंग सेंटर के ऊपर द्वितीयतल 500 फुटनिर्मित साथ मे ओपन एरिया 500 फुट, लेट बाथ अटैच दुकान किराये से देना है। संपर्क:- मो. 9229584533, 7987298062.(आरो नं.-724)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

आवश्यक सूचना

हरिभूमि क्लासीफाईड

जैकेट के शेष

तेंदूपत्ता बोनस भ्रष्टाचार ....

उन्होंने ही शिकायत की और उनके यहां ही छापे मारकर सरकार गुनाहगारों को बचाना चाहती है। इस मामले में ट्विस्ट हो गया है। दो समिति प्रबंधकों ने जांच समिति को बयान दिया है कि उन्होंने श्री कुंजाम को पांच-पांच लाख रुपए दिए। यह पैसे कुंजाम को मैनेज करने के लिए दिए गए। जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई है।

उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक मनीष कुंजाम ने कलेक्टर सुकमा को 8 जनवरी 2025 को एक पत्र लिखकर तेन्दूपत्ता बोनस राशि 6 करोड़ 54 लाख संग्राहकों को वितरण न कर गबन और लूट करने का आरोप लगाते जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। उसके बाद जांच समिति ने सुकमा जाकर तेन्दूपत्ता प्रबंधकों के बयान लिए, वहीं कुछ गांव के फड़ों में ग्रामीणों से भी चर्चा की गई। बताया गया कि 2021 में 15 फड़ और 2022 में 10 फड़ के संग्राहकों को बोनस की राशि मिलनी थी। इसमें 3 करोड़ 62 लाख रुपए उन संग्राहकों को नकद देने थे, जिनके बैंक खाते नहीं हैं। यहीं से गरीबों की राशि डकारने का काम शुरू हुआ। **32 हजार संग्राहकों में बंटना था 4 करोड़ 80 लाख :** पिछले 2 साल 2021 और 2022 का तेन्दूपत्ता बोनस की राशि मार्च 2024 में समिति प्रबंधकों के खाते में आ गई थी। इस राशि के संबंध में जून-जुलाई 2024 में डीएफओ अशोक पटेल ने प्रबंधकों को अलग-अलग अपने निवास में बुलाया और 20 लाख रुपए तक बैंक से निकालकर देने को कहा। साहब के आदेश पर प्रबंधक और पोषण अधिकारियों ने राशि निकाल कर डीएफओ को उनके निवास में जाकर देने की बात कही है। वहीं तेन्दूपत्ता बोनस वितरण में करोड़ों का गबन का समाचार छपने के बाद प्रबंधकों ने डीएफओ से चर्चा की, जिस पर डीएफओ ने मनीष कुंजाम को मैनेज करने को कहा। कुछ प्रबंधकों ने पूर्व विधायक को राशि देने की बात कही है साथ ही क्षेत्र के पत्रकारों को भी पैसे देने के लिए राशि का उल्लेख बयान में किया है। सुकमा जिले के 15 समितियों के 31971 संग्राहकों को देने के लिए 4 करोड़ 79 लाख 55 हजार 229 रूपए संबंधित समिति के प्रबंधकों के खाते में डाले गए थे।

गड़बड़ी हुई है इसलिए उच्च स्तरीय जांच की सिफारिश : सीसीएफ के जांच टीम के सदस्यों के साथ सुकमा के डीएफओ और प्रबंधकों समेत पोषण अधिकारियों का बयान लिया गया है। तेन्दूपत्ता फड़ में जाकर संग्राहकों से भी चर्चा की गई है। प्राथमिक और फाइनल रिपोर्ट जमा कर दी गई है जो सीसीएफ के द्वारा शासन को भेजा गया है। अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी इस मामले में शामिल हैं इसलिए शासन स्तर पर गठित समिति से जांच कराना समिति ने उचित माना है। गड़बड़ी हुई है इसलिए उच्च स्तरीय जांच जरूरी है। जांच रिपोर्ट में सभी के बयान में किसे कितनी राशि कब कहां दी गई इस सबका उल्लेख है। - उत्तम कुमार गुप्ता, डीएफओ, जगदलपुर एवं अध्यक्ष जांच समिति

डीएफओ सुकमा को ....

रिपोर्ट में 7 प्रबंधक और पोषक अधिकारियों ने अपने बयान में डीएफओ को 83 लाख 90 हजार देने की बात कही है। गोलापल्ली समिति से 15 लाख, किस्टाराम से 10 लाख, पालाचलमा से 4 लाख, कोंटा से 9 लाख 50 हजार, जगरगुण्डा से 14 लाख 50 हजार, बोड़केल से 5 लाख 50 हजार और प्राथमिक लघु वन समिति मिच्चीगुड़ा के प्रबंधक ने 25 लाख 40 हजार इस तरह राशि लाख 90 हजार रूपए डीएफओ को उनके सुकमा स्थित निवास में जाकर देने की बात कही है।

छापे के बाद कुंजाम ने ....

प्रेसवार्ता में कहा कि तेन्दूपत्ता बोनस वितरण में करोड़ों का गबन और लूट की शिकायत कर जांच की मांग मैंने की थी और मेरे यहां छापामारी कर सरकार गुनाहगारों को बचाना चाहती है।

कुंजाम पर भी ....

भी 2 समिति प्रबंधक ने 5-5 लाख और 1 ने 1 लाख रूपए देने की बात जांच समिति को कही है। बस्तर के मुख्य वन संरक्षक ने जगदलपुर डीएफओ उत्तम कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में 4 सदस्यीय जांच दल गठित कर सुकमा जिले में तेन्दूपत्ता बोनस में हुई गड़बड़ी की जांच करने को कहा था। 9 जनवरी 2025 को गठित समिति में 3 सदस्य एसडीओ वन रामनाथ सोरी, एसडीओ चित्रकोट रेंज योगेश कुमार रात्रे तथा रेंज अफसर उड़नदस्ता प्रभारी रविन्द्र कुमार नाग शामिल थे।

देश में धर्म ....

अधिकारी ने बताया कि हिंसा प्रभावित शमसेरगंज क्षेत्र में जाफराबाद स्थित एक घर में पिता और पुत्र के शव बरामद किए गए जिनके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे। उन्होंने बताया कि दोनों अपने घर के अंदर अचेत अवस्था में जमीन पर पड़े मिले और उन्हें पास के अस्पताल में ले जाया गया जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। उनके परिवार ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने उनके घर में लूटपाट की और दोनों पर चाकू से प्रहार कर दिया। अधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में शमसेरगंज प्रखंड के धुलियान में एक अन्य व्यक्ति को गोली मार दी गई। वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में शुक्रवार को जिले के सूती और शमसेरगंज इलाकों में बड़े पैमाने पर हिंसा की खबरें आई हैं।

भाजपा ने की ....

बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए ये विध्वंसकारी कृत्य न केवल आवश्यक सेवाओं को बाधित करते हैं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

करणी सेना का ....

क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा भी गढ़ी रामी में आयोजित रक्त स्वाभिमान सम्मेलन में शामिल हुए। मंच से उन्होंने कहा कि हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम कुछ भी कर सकते हैं। सपा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान ने क्षत्रिय ही नहीं बल्कि सनातन समाज को ठेस पहुंचाई है। अब माफी से काम नहीं चलने वाला है। उन्होंने करणी सेना के कार्यकर्ताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, सपा सांसद की राज्यसभा सदस्यता समाप्त करने, रामजीलाल सुमन के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने, घायल कार्यकर्ताओं की ओर से मुकदमा दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मांगें नहीं मानी गईं तो करणी सेना सांसद के आवास पर कूच करेगी। **सपा सांसद के बयान पर बवाल** : समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान के बाद से बवाल मचा हुआ है। करणी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर सपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो उनके आवास की ओर मार्च किया जाएगा।

26 मार्च को ....

हो गए थे, जिनमें कुछ पुलिसकर्मी भी शामिल थे। घटना के संबंध में 27 मार्च को आगरा के हरिपर्वत थाने में हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में दो मुकदमे दर्ज किए गए थे।

मेरी जान को ....

ऊपर नहीं बल्कि पीडीए पर हमला हुआ है। उन्होंने कहा कि मुझे और मेरे परिवार को जान-माल का खतरा था, इसलिए मैंने राज्यसभा के उपसभापति को सुरक्षा के लिए पत्र लिख कर दिया था। पुलिस प्रशासन को लगता है कि मेरी हत्या हो सकती है, इसलिए सुरक्षा रखी है।

नक्सल हिंसा से मुक्ति ....

नक्सलियों ने बुलेट के बूते अपनी सत्ता लाने का जो सपना भोले-भाले आदिवासियों को दिखाया था, वह बैलेट के बूते भाजपा ने साकार कर दिया। इस सवा साल में मोदी की गारंटी से लेकर नियद नेल्लानार जैसी योजनाओं के माध्यम से विष्णुदेव साय समाज के अन्य वर्गों के साथ-साथ आदिवासी वर्ग में यह विश्वास जगाने में सफल रहे कि उनका राज आ चुका है। विधानसभा के बाद लगातार तीन चुनावों में जीत इसका ही तो प्रमाणीकरण है। इसका नतीजा यह है कि नक्सली बंदूकों को स्थानीय स्तर पर मिलने वाला समर्थन खत्म हो गया है। लिहाजा मोदी सरकार के संकल्प को लेकर हुंकार भर रहे अमित शाह के दावों के अनुरूप नक्सली मोर्चे पर साय सरकार सफलता हासिल करती दिख रही है। इन पंक्तियों के लिखे जाने के दौरान भी बीजापुर में तमाम नक्सलियों के मारे जाने की खबर आ रही है। इतना ही हैरतपूर्ण है छत्तीसगढ़ में देश की इकलौती सेमी कंडक्टर निर्माता कंपनी का महज चार माह में संयंत्र की स्थापना के लिए छत्तीसगढ़ आ जाना। जिस कारखाने की स्थापना के लिए महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा और कर्नाटक जैसे विकसित राज्य अर्से से प्रयत्नशील हैं, वहां छत्तीसगढ़ का सफल हो जाना हम सबको हर्षित करता है और विष्णुदेव साय को सरल और सहज राजनीतिज्ञ के साथ कुशल और दूरदर्शी प्रशासक के रूप में भी स्थापित करता है। लोहा, सीमेंट, बाक्साइट के कारखानों से इतर इस शुरूआत ने भविष्य को लेकर किस कदर उम्मीद जगा दी है कि भूमि पूजन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दावा कर दिया कि आने वाले समय में नवा रायपुर भारत की सिलिकान वैली बनेगा। सरकार के मुखिया ने दावा किया है तो निश्चित ही इसके पीछे उनका अपनी टीम पर भरोसा है। अब जिम्मेदारी टीम की है कि वह इस भरोसे पर खरा उतरे। इस टीम में मंत्रिमंडल के सहयोगी भी हैं और मुख्यमंत्री सचिवालय समेत तमाम प्रशासनिक अमला भी। देखें इस दावे और हम सभी के सपने को वह कब तक साकार करते हैं। देश में खैरात बांटकर राज में आने या बने रहने की होड़ के दौरान यह सरकार महज महतारी वंदन के चंदन और बोनस वितरण के भरोसे ही नहीं बैठी हुई है। यह अहसास भविष्य को लेकर आशा बनाए रखता है। बेहतर शैक्षणिक और स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षित वातावरण और रोजगार सृजन के नए अवसर ही विकसित छत्तीसगढ़ के सपने को साकार करने का मूलमंत्र हैं। जब सवा साल की उम्र पूरी कर लेने के बाद सरकार सुशासन तिहार मनाने के लिए जनता के बीच जाने निकल ही पड़ी तो इस कालखंड की पड़ताल जरूरी हो जाती है। तमाम बेहतर कोशिशों के बीच कुछ घटनाक्रम आशंका भी पैदा करते हैं। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों पर पूर्ववर्ती सरकार को घेरती रही भारतीय जनता पार्टी अगर यह मुगालता पाले हुए है कि महज विष्णुदेव साय के ईमानदार बने रहने से बाकी जो कुछ चल रहा है उस पर जनता की निगाह नहीं जा रही है तो यह बड़ी भूल ही साबित होगी।

बंधक व्यापारियों को .....

थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है। राइस मिल के संचालक के विरुद्ध दोनों पीड़ितों के अपहरण समेत बीएनएस की धारा 140(3), 296, 115(2), 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार चावल खरीदी को लेकर पत्थलगांव स्थित राइस मिल संचालक का लैलूंगा क्षेत्र के व्यवसायियों के बीच जोरदार विवाद हो गया था। जिसके बाद रकम लेन देन का विवाद बढ़ जाने से दो व्यवसायियों को बंधक बनाया गया था। दरअसल, रायगढ़ जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत झगरपुर निवासी मुकेश अग्रवाल की शिकायत पर पत्थलगांव पुलिस ने कमला राइस मिल संचालक परशुराम अग्रवाल, पुत्र आयुष अग्रवाल और उनके भतीजे श्रीराम कुलर वाला के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। शिकायतकर्ता मुकेश अग्रवाल का आरोप है कि वह अपने बेटे यश अग्रवाल के साथ दो पिकअप में धान व चावल लोड कर बिक्री के लिए कमला राइस मिल आए थे। सौदा तय नहीं होने पर जब वे लौटने लगे, तो परशुराम अग्रवाल, पुत्र आयुष और उनके भतीजे ने कार से पीछा करते हुए शिवपुर के पास उन्हें रोककर हमला कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए मिल और फिर घर ले जाकर मारपीट की गई और 3 लाख रुपये नगद किसी व्यापारी के द्वारा दिया गया। घटना की जानकारी लैलूंगा क्षेत्र के व्यापारियों को मिलते ही उन्होंने पत्थलगांव पुलिस की मदद से जशपुर रोड स्थित परशुराम अग्रवाल के घर में दोनों व्यवसायी को बंधक से मुक्त कराया गया।

युवक को निर्वस्त्र ....

8 अप्रैल की रात्रि का होना पाया गया और पीड़ित युवक की पहचान बासीन निवासी राहुल अंचल के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित युवक 8 अप्रैल की रात्रि करीब 11-12 बजे किसी काम से बड़े रबेली गया हुआ था, जहां आधा दर्जन से अधिक आरोपियों ने बांध करके उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इतना ही नहीं रात भर बंधक बनाने के साथ उसे निर्वस्त्र करके अपमानित किया। पीड़ित युवक को उपचार के लिए अस्पताल दाखिल कराया गया है। इधर इस मामले में पुलिस में अपराध कायम किया और जांच पड़ताल शुरू की। इस दौरान मालखरौदा थाना अंतर्गत बड़े रबेली निवासी आरोपी सूर्या चंद्रा, बलवंत चंद्रा, गोविंद चंद्रा, हेमप्रकाश चौहान, चक्रधर चंद्रा, मणि चंद्रा को अपराध क्रमांक 76/2025 धारा 109 (2), 296, 351 (2), 115 (2), 126 (2), 127 (2), 191 (2), बीएनएस, धारा 3 (1), (ई) (आर) (एस), एससी एसटी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया।

पीडीएस के चावल की ....

श्री कमला राइस मिल में आए हुए थे। शिकायतकर्ताओं की माने तो कमला राइस मिल में पीडीएस चावल की खरीदी की जाती है। अगर खरीदी होती है तो इस पर कार्रवाई क्यों नही की जाती है।

दो ईनामी सहित ....

कुड़मेरपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर मदपाल केएएमएस सदस्य, सिगरेट वंजामी (30), निवासी मदपाल पटेलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर भूमकाल मिलिशिया सदस्य, पायकू वंजामी (50), निवासी मदपाल पटेलपारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर भूमकाल मिलिशिया सदस्य शामिल हैं।

पेज एक के शेष

निगम, मंडल, आयोग के...

बोर्ड और सहकारी दुग्ध महासंघ में पेंच फंसा हुआ है। कुल मिलाकर करीब आधा दर्जन निगम, मंडल, आयोग के अध्यक्ष अभी पदभार ग्रहण नहीं कर पाएंगे। प्रदेश सरकार ने निगम, मंडल और आयोग के लिए पहली बड़ी सूची में 36 भाजपा नेताओं को पदों से नवाजा है। इनमें से एक नेता गौरीशंकर श्रीवास ने पद लेने से इनकार कर दिया। बचे 35 नेताओं के पदभार ग्रहण करने का सिलसिला प्रारंभ हुआ है। सबसे पहले क्रेडा के भूपेंद्र सवन्नी ने पदभार ग्रहण किया। इसके कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय पहुंचे। इसके बाद से पदभार ग्रहण करने का क्रम चल रहा है। इसके बाद खनिज विकास निगम के सौरभ सिंह, पाठ्य पुस्तक निगम के राजा पांडेय, मछुआ कल्याण बोर्ड के भरत मटियारा, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के रामप्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री की उपस्थित में पदभार संभाला। रायपुर विकास प्राधिकरण के नंद कुमार साहू और छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के चंदूलाल साहू के पदभार में मुख्यमंत्री श्री साय नहीं पहुंच सके।

भारतीय शिक्षा बोर्ड, पतंजलि...

समावेश रहेगा। भारतीय शिक्षा बोर्ड द्वारा पाठ्यक्रम का निर्धारण किया जा चुका है तथा इस सिलेबस के आधार पर किताबें भी तैयार की जा चुकी हैं। गौरतलब है कि महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड, उज्जैन भी राष्ट्रीय स्तर का शिक्षा बोर्ड है जो वेद और संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। इसके पश्चात पतंजलि का भारतीय शिक्षा बोर्ड भी अब छात्रों को वेद और पुराण की शिक्षा देगा।

गबन के मामले...

इन मामलों में 8 करोड़ 72 लाख 28 हजार, 644 रुपए शामिल हैं। इन मामलों का हिसाब देखें तो अधिभार के आरोप पत्र 18 जारी हुए। अधिभार सूचना 9, अधिभार आदेश 30, मांग हेतु प्रमाण पत्र 25 जारी किए गए।

अम्बेली ब्लास्ट का...

डीआरजी दंतेवाड़ा, एसटीएफ एवं कोबरा 210, 202 की टीम माओवादी विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान 12 अप्रैल की सुबह 9 बजे इन्द्रावती क्षेत्र के जंगल पहाड़ में सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम एवं माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, जो रुक-रुककर लगातार जारी रही। मुठभेड़ में अम्बेली ब्लास्ट का मास्टर माइंड माटवाड़ा एलओएस कमाण्डर एसीएम अनिल पूनेम को मार गिराने में सुरक्षा बलों को सफलता मिली है। मारे गए माओवादी पर 5 लाख का इनाम घोषित है।

2 अन्य माओवादियों की...

की शिनाख्त की जा रही है। बस्तर रेंज में चल रहे प्रभावी नक्सल विरोधी अभियानों में सूचना आधारित इस ऑपरेशन के लिए संयुक्त टीमों को लॉन्च किया गया था। पुलिस उप महानिरीक्षक दंतेवाड़ा कमलोचन कश्यप, पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव तथा पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा गौरव राय ने बताया कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 3 हार्ड कोर माओवादियों को सुरक्षा बलो ने मार गिराया।

ईडी जब्त करेगी...

किए गए जिनमें दिल्ली में आईटीओ (5ए, बहादुर शाह जफर मार्ग) स्थित 'हेराल्ड हाउस', मुंबई के बांद्रा (ई) इलाके की संपत्ति (प्लॉट संख्या-दो, सर्वेक्षण नंबर 341) और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बिशेश्वर नाथ मार्ग (संपत्ति संख्या-एक) पर स्थित 'एजेएल बिल्डिंग' शामिल है। नोटिस में मुख्य रूप से ईडी ने कब्जे में लिए जाने वाले परिसर को खाली करने के लिए कहा है। इसने कहा, एक नोटिस मुंबई के बांद्रा (पूर्व) में 'हेराल्ड हाउस' में सातवीं, आठवीं और नौवीं मंजिल पर स्थित जिंदल साउथ वेस्ट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड को भी भेजा गया है, ताकि हर महीने प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक के नाम पर हर माह किराया/पट्टा राशि अंतरित की जा सके। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा (8) और नियम 5(1) के तहत की गई है, जो ईडी द्वारा कुर्क की गई और निर्णायक प्राधिकरण द्वारा पुष्टि की गई संपत्तियों पर कब्जे की प्रक्रिया का प्रावधान करता है। एजेएल के 90.2 करोड़ रुपये के शेयर के अलावा, नवंबर 2023 में ईडी ने 661 करोड़ रुपये की इन अचल संपत्तियों को अपराध की आय के रूप में और आरोपी को इसे बेचने से रोकने के लिए' कुर्क किया था। प्राधिकार ने पिछले साल अप्रैल में इस आदेश की पुष्टि की थी।

सोनिया-राहुल समेत कई नेता : ईडी ने कहा कि शिकायत में सोनिया गांधी और उनके सांसद बेटे राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस और सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी 'यंग इंडियन' समेत कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों की 'आपराधिक साजिश' को उजागर किया गया है। इसने कहा कि शिकायत में इन सभी पर एजेएल से जुड़ी 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियों को धोखाधड़ी से अपने अधीन लेने से जुड़ी धन शोधन योजना में संलिप्तता का आरोप लगाया गया है।

आगजनी से बच्चों को बचाने वाले 4 भारतीयों का सम्मान

सिंगापुर। सिंगापुर सरकार ने एक इमारत में लगी आग से बच्चों और वयस्कों को बचाने में वीरतापूर्ण कार्य के लिए चार भारतीय प्रवासी श्रमिकों को सम्मानित किया है। इस इमारत में 16 नाबालिग और छह वयस्क फंसे गए थे। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का आठ वर्षीय पुत्र मार्क शंकर पवनोविच आठ अप्रैल को लगी आग की घटना से बचाए गए लोगों में शामिल था। इमारत से निकाली गई 10 वर्षीय आस्ट्रेलियाई लड़की की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। मानव शक्ति मंत्रालय के 'एश्योरेंस, केयर एंड एंगेजमेंट' (एसीई) समूह ने आग में फंसे लोगों को बचाने के लिए इंद्रजीत सिंह, सुब्रमण्यम सरनराज, नागराजन अनबरसन और शिवसामी विजयराज को 'फ्रेंड्स ऑफ एसीई' सिक्के प्रदान किए। साप्ताहिक पत्रिका 'तबला' ने शुक्रवार को मंत्रालय के हवाले से कहा, 'उनकी सूझबझ और बहादुरी ने सब कुछ बदल दिया... ज़रूरत के समय हमें समुदाय की ताकत याद दिलाने के लिए धन्यवाद।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रमांक / लो.क.वि./जोन-2/2025/38/23 — भिलाई दिनाँक 09/04/25

इस कार्यालय द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेंडर आमंत्रित की गई है, जिसका विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in पर देखा जा सकता है

क्र.	कार्य का विवरण	सिस्टम टेंडर क्र.	अनुमानित लागत (लाख में)	BID Due की अंतिम तिथि	दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	जोन 02 वैशालीनगर अंतर्गत रामनगर मुक्तिधाम में शवदहन हेतु जलाऊ लकड़ी प्रदाय कार्य	166826	82.91	08.04.2025 से 23.04.2025 तक	25.04.2025
2	15वें वित्त आयोग अंतर्गत वार्ड क्र. 25 जवाहर नगर लाल पानी टंकी से जलाराम स्वीट्स तक सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण कार्य।	166865	19.94	09.04.2025 से 30.04.2025 तक	02.05.2025

(नोट :- ई टेण्डर में ऑफलाईन शपथ पत्र एवं EMD/FDR प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा अन्यथा निविदा अमान्य किया जावेगा/दर को नहीं खोला जावेगा।) उपरोक्त निविदा निर्माण कार्यो सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

जोन आयुक्त (जोन 02)

कार्यालय, नगर पालिका परिषद् खरसिया जिला - रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

क्रमांक /59/न.पा.प./लो.नि.वि/2025 — खरसिया, दिनांक 12/04/2025

ई-प्रोक्योरमेन्ट तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षमत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

1. Date of issue of Tender- 13/04/2025 Time 10.30AM
2. Last Date of Online Submission for Technical & Financial Bid- 23/04/2025 Time 5.30PM
3. Last Date for Submission of physical bid- 24/04/2025 Time 5.00PM
4. Bid Open Date- 24/04/2025 Time 5.30PM

क्र.	सि. नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (रू. में)	समय सीमा	अमानत राशि, निविदा प्रपत्र शुल्क (डीडी के रूप में) एवं 100रू. स्टाम्प पेपर में शपथ पत्र युक्त फिजिकल लिफाफा जमा करने की अंतिम तिथि
1	167042	वार्ड क्रं. 10 चंदन तालाब गार्डन स्थल पर अटल परिसर निर्माण एवं प्रतिमा स्थापना कार्य	29.99 लाख	0.225	1500/-	01 माह	25.04.2025

उपरोक्त कार्यं की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय आकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् खरसिया जिला रायगढ़ (छ.ग.)

झारखण्ड सरकार
झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार, धनबाद।
(लुबी सर्कुलर रोड, हीरापुर धनबाद 826001)

ई-प्रोक्योरमेन्ट सूचना अति अल्पकालिन (प्रथम आमंत्रण)

ई-निविदा सूचना संख्या – 04/JMADA/2025-26 — धनबाद, दिनांक – 11-04-2025

1	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम :- प्रबंध निदेशक, झारखंड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार, धनबाद।	
2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	16-04-2025 समय 02.00 बजे अपराह्न तक
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	05-05-2025 समय 04.00 बजे अपराह्न तक
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेस, झारखंड मंत्रालय के ज्ञापांक-120 दिनांक-03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन का राशि ऑनलाईन जमा करने का अंतिम तिथि एवं समय	05-05-2025 समय 04.00 बजे अपराह्न तक
5	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	06-05-2025 समय 05:00 बजे अपराह्न
6	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	तकनीकी सदस्य का कार्यालय झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार, धनबाद।
7	निविदा आमंत्रित करने के सम्बन्ध में विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क संख्या–	9939842423 / 8789532628

	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि 2%	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Supplying, Installation, Testing and Commissioning of 3 MVA 11KV /3.3KV Copper Wound Out Door Type Power Transformer & its allied work at Damodar Head Works Jamadoba under JMADA, Dhanbad.	1,29,33,000.00	2,58,700.00	10,000.00	06 माह

नोट – केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
- उपरोक्त किसी तिथि को अवकाश घोषित होने पर अगले कार्य दिवस की तिथि को माना जायेगा।
- ऐसे संवेदक जिन्हें नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड का निबंधन प्राप्त नहीं है वे भी निविदा में भाग ले सकते है बशर्ते कि वैसे सफल निविदादाता को एकरारनामा के पूर्व नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड, में निबंधन पत्र प्राप्त कर लेना होगा।
- निविदा की सूचना तथा नियम शर्तें की जानकारी कार्यपालक अभियंता (जलापूर्ति), झारखंड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार, धनबाद कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा की जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtender.gov.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
झमाडा, धनबाद।

PR 350274 (Drinking Water and Sanitation) 25-26 (D)

झारखण्ड सरकार ग्रामीण कार्य विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर
ई-अल्पकालिन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

ई-अल्पकालिन पुनर्निविदा संख्या:- 09/2024-25/RIII/STPKG/RWD/EE/JSR — दिनांक :- 12.04.2025

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र स	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल संख्या
1	RWD/EE/JSR/STPKG/07/2024-25	निरूडीह से पलाशबानी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–1.700 कि0मी0)	77,06,600.00	सतहत्तर लाख छः हजार छः सौ रू0 मात्र	15 माह	चतुर्थ
		आर0ई0ओ0 रोड से कोलाबरीया तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–1.350 कि0मी0)	1,26,95,800.00	एक करोड़ छब्बीस लाख पन्चानवे हजार आठ सौ रू0 मात्र		
		बेसारपहाड़ी से चटानीपानी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–7.000 कि0मी0)	4,80,48,500.00	चार करोड़ अस्सी लाख अड़तालीस हजार पॉच सौ रू0 मात्र		
		आर0ई0ओ0 रोड से चिंगरा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–1.850 कि0मी0)	1,39,61,200.00	एक करोड़ उन्चालीस लाख एकसठ हजार दो सौ रू0 मात्र		
		L063 आर0ई0ओ0 पथ से जामबनी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–1.825 कि0मी0)	94,72,500.00	चौरानवे लाख बहत्तर हजार पॉच सौ रू0 मात्र		
		कुल	9,18,84,600.00	नौ करोड़अठारह लाख चौरासी हजार छः सौ रू0 मात्र		

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– 13.04.2025।
3. ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– 29.04.2025 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि jharkhandtenders.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन मोड में स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 30.04.2025 अपराह्न 5.00 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर, ब्लॉक–करनडीह, थाना–परसुडीह, जमशेदपुर, झारखण्ड, पिन–831002।
7. ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0657–2298902।
8. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर

PR 350261 REO(25-26)D

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

शब्द पहेली - 5835

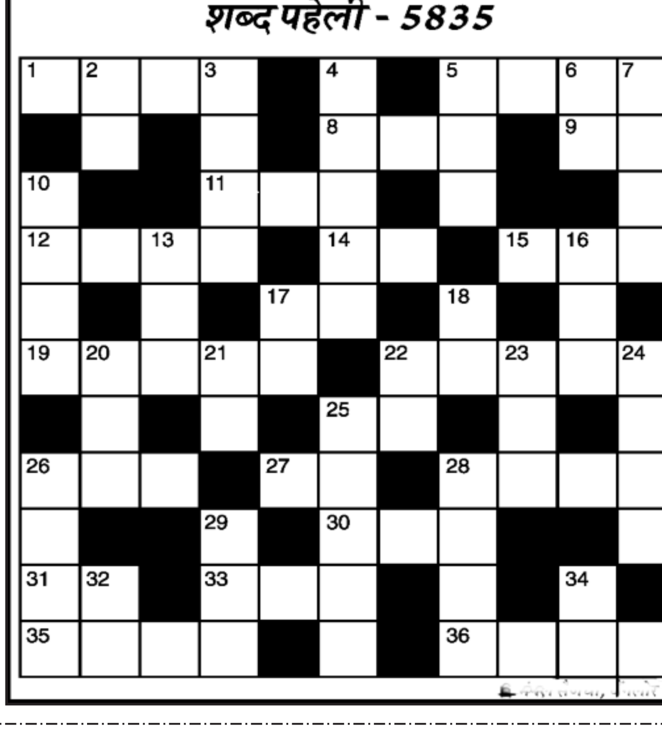

बाएँ से दाए
1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे
2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 5834 का हल

सूडोकु नवताल - 5845

★★★★★ कठिनतम

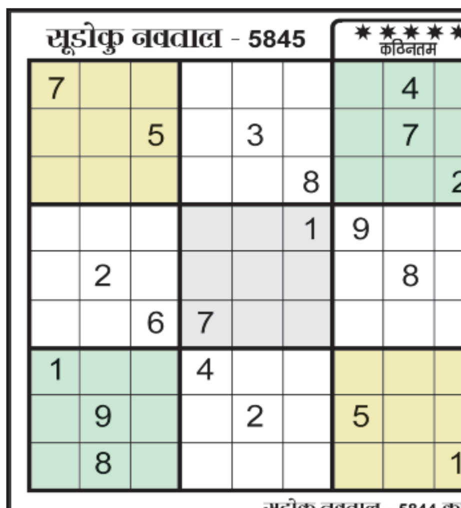

सूडोकु नवताल - 5844 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

बिजनेस साइट

पंजाब नेशनल बैंक ने धूमधाम से मनाया 131वां स्थापना दिवस

रायपुर। देश के अग्रणी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक ने शनिवार को अपना 131वां स्थापना दिवस पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर रायपुर अंचल में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत तेलीबांधा मरीन ड्राइव पर स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम से हुई, जिसका नेतृत्व अंचल प्रबंधक आशीष चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर बैंक की सभी शाखाओं के कर्मचारियों ने मरीन ड्राइव परिसर की सफाई की। इसके पश्चात साइबर सुरक्षा पर जागरूकता वॉकथॉन का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य समारोह नवा रायपुर स्थित अंचल कार्यालय में आयोजित हुआ, जहां सर्वप्रथम पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्री चतुर्वेदी ने पीएनबी की स्थापना से लेकर आज तक की गौरवपूर्ण यात्रा का स्मरण किया और कहा कि देश के पहले स्वदेशी बैंक के रूप में पीएनबी ने सदैव भारत के आर्थिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अंतरा मार्ट की 'दुबई ऑफर योजना' 16 अप्रैल से फिर शुरू

रायपुर। रायपुर की प्रसिद्ध सुपरमार्केट चेन अंतरा मार्ट एक बार फिर लेकर आ रही है अपनी खास स्कीम 'अनंतरा से दुबई चलो ऑफर', जो 16 अप्रैल से 15 नवंबर 2025 तक लागू रहेगी। योजना के तहत ग्राहक सिर्फ 1799 रुपए की खरीदारी पर कूपन प्राप्त कर दुबई यात्रा का मौका पा सकते हैं। कूपन के आधार पर कई इनाम जैसे 2 लीटर कुकर, मिक्सर ग्राइंडर, गोवा ट्रिप और दुबई 3 नाइट ट्रिप जीतने का अवसर मिलेगा। यह ऑफर अंतरा मार्ट के सभी स्टोर्स गोल्डन टावर (बोरियाखुर्द), भाठागांव, शैलेंद्र नगर और रायपुर रोड (बेमेतरा) में उपलब्ध है। ग्राहकों को हर खरीदी पर 7% से 70% तक की छूट भी मिलेगी। डायरेक्टर सुरेंद्र तिवारी और आकाश जैन के अनुसार अंतरा मार्ट में गुणवत्तापूर्ण सामान बेहद रियायती दामों पर मिलता है। सभी डिजिटल पेमेंट और होम डिलीवरी की सुविधा भी उपलब्ध है।

स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का सफल आयोजन, 127 कर्मचारियों ने लिया भाग, 41 यूनिट रक्तदान

रायपुर। सामाजिक सरोकारों की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए एनजीओ बैटर भारत और मां के संयुक्त प्रयास से रायपुर के टाटीबंध स्थित साईंराम परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर एवं रक्तदान अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों के स्वास्थ्य की समग्र जांच करना और रक्तदान जैसे महत्वपूर्ण कार्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कुल 127 कर्मचारियों ने इस शिविर में भागीदारी दर्ज कराई और अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। इस शिविर में दंत एवं बाल समस्याओं की जांच, होम्योपैथिक, नेत्र जांच और आईवीएफ संबंधी जानकारी प्रदान की गई। साथ हीं रक्तदान शिविर में कुल 41 यूनिट रक्त एकत्र किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगा।

जयवदन इंगले ने संभाला क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यभार

रायपुर। केंद्रीय कार्यालय के निर्देशानुसार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के रायपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में जयवदन इंगले ने क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। श्री इंगले ने 11 अप्रैल को एक औपचारिक कार्यक्रम में यह पदभार संभाला। कार्यभार ग्रहण समारोह के दौरान कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में श्री इंगले ने पूर्व आयुक्त अभिषेक कुमार के कार्यकाल की उपलब्धियों की सराहना की और उनके कार्यों को आगे बढ़ाते हुए अंशदाताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने संसाधनों के सुदृढ़ीकरण एवं सामूहिक सहयोग से संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

न्यू भारत स्वीट्स का भव्य शुभारंभ देशी घी की मिठाइयों की विस्तृत रेंज

रायपुर। शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड के पास स्थित न्यू भारत स्वीट्स का भव्य शुभारंभ शनिवार को धूमधाम से संपन्न हुआ। मिठाइयों के शौकीनों के लिए इस प्रतिष्ठान में कोलकाता, उत्तरप्रदेश और राजस्थान के अनुभवी कारीगरों द्वारा तैयार की गई पारंपरिक और प्रामाणिक मिठाइयों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। शॉप के संचालक रोहिताश राणा ने बताया कि न्यू भारत स्वीट्स में शुद्धता और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हमारी सभी मिठाइयां शुद्ध देशी घी में तैयार की जाती हैं, जिससे उनका स्वाद और भी लाजवाब हो जाता है। यहां की सबसे लोकप्रिय मिठाइयों में डोडा बर्फी और मोतीचूर लड्डू विशेष रूप से ग्राहकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। इसके अलावा रसगुल्ला, रसमलाई, पेड़ा, चमचम, सोनपापड़ी, काजू कतली और कई पारंपरिक मिठाइयों की भी भरपूर रेंज उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि शॉप में स्नैक्स की वैरायटीज भी है, जिसमें अमृतसरी छोले-कुलचे, छोले-भटूरे, आलू टिक्की और पनीर टिक्का शामिल हैं। ग्राहकों की सुविधा के लिए बैठने की व्यवस्था की गई है। साथ ही पार्किंग की भी व्यवस्था है।

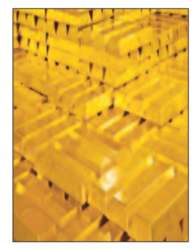

गोल्ड ने शेयर बाजार से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया, देश में आर्थिक मंदी के दौरान भी चमकता रहा सोना

असली रिटर्न तो सोने ने दिया 25 वर्ष में 2,027% का मुनाफा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प, इक्विटी से बेहतर
- 25 साल में सोने ने 2,027% और निफ्टी ने 1,470% रिटर्न दिया
- एसजीबी की अनुपलब्धता में गोल्ड ईटीएफ निवेश का अच्छा तरीका

> 2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के दौरान भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय निवेशकों के लिए सोना अच्छा विकल्प है। यह उन्हें अपने निवेश को अलग-अलग चीजों में बांटने में मदद करता है। अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

निवेश के मामले में सोना आखिरकार खरा सोना है। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और अच्छा मुनाफा देने वाला विकल्प है। सोने में कई तरीके से निवेश किया जा सकता है। देश में चाहे मंदी हो या शेयर बाजार में उथल-पुथल, लेकिन सोना हमेशा चमकता रहा और निवेशकों को मालामाल करता रहा। इसलिए बाजार के जानकार भी सोने में निवेश करने की कहते हैं। पिछले 25 सालों के आंकड़े को देखा जाए तो सोने ने इक्विटी (शेयर बाजार) से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, हाल के वर्षों और खासकर आर्थिक मंदी के दौरान भी सोने ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने में निवेश का सबसे अच्छा तरीका गोल्ड ईटीएफ माना जा रहा है, खासकर भारतीय निवेशकों के लिए। निवेशकों के लिए सोना एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। यह उन्हें भरोसा दिलाता है कि उनका पैसा भरोसेमंद चीज में लगा है। एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जेरोधा ने सोने और निफ्टी-50 के प्रदर्शन की तुलना की है। उन्होंने पाया कि वर्ष 2,000 से सोने ने 2,027% का रिटर्न दिया है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के बेंचमार्क इंडेक्स ने 1,470% का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना मुश्किल समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है। 2008 की आर्थिक मंदी और कोरोना महामारी के दौरान भी सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय निवेशकों के लिए सोना अच्छा विकल्प है। यह उन्हें अपने निवेश को अलग-अलग चीजों में बांटने में मदद करता है। अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए गोल्ड ईटीएफ सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

ऐसे की तुलना

जेरोधा ने एक चार्ट भी दिखाया, जिसमें सोने और निफ्टी के प्रदर्शन की तुलना की गई। चार्ट में दिखाया गया है कि निफ्टी आर्थिक मंदी के दौरान नीचे गिर गया था, लेकिन सोना स्थिर रहा। उन्होंने कहा, 'कोई नहीं बता सकता कि सोने की कीमतें क्यों बढ़ती हैं, लेकिन यह काम करता है।'

2025 में सोने की कीमत 18% बढ़ी

हाल के दिनों में सोने ने अच्छा प्रदर्शन किया है। 2025 में सोने की कीमत 18% बढ़ी, जबकि निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 में 6% की गिरावट आई। 2024 में सोने ने 25% का रिटर्न दिया, जबकि निफ्टी लार्जकैप 250 ने 19% का रिटर्न दिया। यह दिखाता है कि सोना बाजार में अस्थिरता के समय में भी अच्छा प्रदर्शन करता है। 2005 से सोने ने हर साल औसतन 20% का रिटर्न दिया है। सिर्फ तीन बार ऐसा हुआ है जब सोने का रिटर्न नेगेटिव रहा है। 2023 में यह 18% गिरा, 2015 में 8% और 2021 में 2%। सोने ने इक्विटी से बेहतर रिटर्न दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं तारीखों को थोड़ा बदल रहा हूं, लेकिन यह सच है कि 2000 से सोने ने निफ्टी से ज्यादा रिटर्न दिया है।'

सोने में निवेश का सबसे अच्छा तरीका

गोल्ड ईटीएफ भारतीय निवेशकों के लिए सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका है। खासकर अब जब एसजीबी उपलब्ध नहीं हैं। जेरोधा एएमसी के गोल्ड ईटीएफ गोल्डकेस के लॉन्च के बारे में भी बात की। यह सही समय पर लॉन्च हुआ है, क्योंकि सोने की कीमतें बढ़ रही हैं और एसजीबी का जारी होना बंद हो गया है। सोने को ज्यादातर निवेशक एक सुरक्षित ठिकाना मानते हैं। उन्हें लगता है कि सोना एक ऐसी संपत्ति है जिस पर वे भरोसा कर सकते हैं। पिछले कुछ सालों में सोने ने शेयर बाजार से बेहतर प्रदर्शन किया है।

सेविंग के लिए मोटी रकम नहीं है तो आरडी की आदत डालें

> देखा जाए तो आरडी उन लोगों के लिए बेहतर है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो बड़ी रकम एकमुश्त जमा नहीं कर सकते हैं। आरडी आपको छोटी-छोटी बचत से बड़ा फंड बनाने में मदद करता है।

भारत में निवेश के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट एक बहुत ही लोकप्रिय और सुरक्षित विकल्प है। इसमें निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहता है और रिटर्न की गारंटी भी मिलती है, लेकिन इसके लिए बड़ी रकम की जरूरत होती है। अगर आपके पास बड़ी रकम नहीं है, तो चिंता की बात नहीं! रिकरिंग डिपॉजिट भी एक ऐसा विकल्प है, जिसमें आप छोटी-छोटी रकम जमा करके बड़ा फंड बना सकते हैं.

आरडी यानी रिकरिंग डिपॉजिट क्या है

आरडी यानी रिकरिंग डिपॉजिट एक ऐसी बचत योजना है, जिसमें आप हर महीने एक निश्चित रकम जमा करते हैं। यह उन लोगों के लिए आदर्श है, जिनकी इनकम फिक्स है और वे नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। आरडी में आप कम अमाउंट से शुरुआत कर सकते हैं और समय के साथ बड़ा रिटर्न पा सकते हैं।

आरडी कैसे करता है काम

आरडी में निवेशक हर महीने एक तय अमाउंट जमा करते हैं। यह समय 6 महीने से 10 साल तक हो सकता है। बैंक या पोस्ट ऑफिस इस जमा अमाउंट पर ब्याज देते हैं। यह ब्याज आमतौर पर हर तीन महीने में जोड़ा जाता है यानी क्वॉटर्ली कम्पाउंडेड होता है। जब आरडी मैच्योर होता है, तो निवेशक को कुल जमा रकम के साथ उस पर मिला ब्याज भी मिलता है। यह एक अच्छा तरीका है अपने पैसे को बचाने और बढ़ाने की शुरूआत कर सकते हैं। इससे कुछ समय में आप अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं।

आरडी के फायदे

- हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम जमा कर आप बड़ी रकम जुटा सकते हैं और छोटी अवधि वाले वित्तीय लक्ष्यों जैसे बच्चों की फीस, छुट्टियों की प्लानिंग या नया मोबाइल फोन खरीद सकते हैं। पैसे को कहीं भी किसी भी काम में ला सकते हैं।
- जो लोग बचत के मामले में थोड़े आलसी हैं, उनके लिए आरडी एक बढ़िया तरीका है डिसिप्लिन लाने का। एक बार सेट कर दिया, फिर हर माह रकम अपने आप कटती रहेगी।
- स्टॉक मार्केट की तरह उतार-चढ़ाव नहीं, आरडी पूरी तरह सुरक्षित है। आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और आपको गारंटीड रिटर्न भी मिलता है। इसलिए आपको इस निवेश में घबराने की जरूरत नहीं होती।
- आरडी पर मिलने वाला ब्याज फिक्स होता है, और उस पर कंपाउंडिंग लागू होती है। यानी ब्याज पर ब्याज, जिससे आपकी कमाई और बढ़ती जाती है।
- आरडी खोलना बेहद आसान है–बैंक की ऐप या वेबसाइट से बस कुछ क्लिक में अकाउंट खुल जाता है और अगर आप पोस्ट ऑफिस स्कीम चुनते हैं, तो वहाँ भी प्रोसेस सिंपल है।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान

पृथ्वी बिल्डकॉन के प्रीमियम प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'विनस पार्क' की हुई ग्रैंड लॉन्चिंग

दो दिवसीय लॉन्चिंग इवेंट के पहले दिन ग्राहकों का मिला शानदार रिस्पांस, आज अंतिम दिन

रायपुर। रियल एस्टेट की अग्रणी कंपनी पृथ्वी बिल्डकॉन के विधानसभा रोड, नरदहा स्थित प्रीमियम प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'विनस पार्क' का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस दो दिवसीय (12 से 13 अप्रैल) लॉन्चिंग इवेंट के पहले दिन ग्राहकों का शानदार रिस्पांस मिला। ग्राहकों ने साइट विजिट कर प्लॉट की बुकिंग की। बुकिंग पर ग्राहकों को क्लब हाउस चार्ज फ्री तथा रजिस्ट्री पर 50 प्रतिशत की छूट दी गई। इसके साथ ही प्रत्येक बुकिंग पर एक निश्चित उपहार भी दिया गया। कंपनी के डायरेक्टर लिखेश जायसवाल, को-पार्टनर हेमदास वैष्णव और घनश्याम साहू ने बताया कि विनस पार्क लगभग 11.5 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जो टीएनसी रेरा अप्रूव्ड प्रोजेक्ट है। इसमें 199 यूनिट्स उपलब्ध हैं, जिनमें 1000, 1200 और 1500 वर्गफीट के प्लॉट्स शामिल हैं। प्रोजेक्ट की खास बात इसकी लोकेशन है, जो एजुकेशनल हब के पास विधानसभा रोड, नरदहा स्थित ब्राइटन इंटरनेशनल स्कूल के पीछे स्थित है। 'विनस पार्क' को आधुनिक जीवनशैली की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। इसमें गार्डन, बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, क्लब हाउस, ओपन जिम, चौड़ी रोड्स, गेटेड एंट्री, अंडरग्राउंड इलेक्ट्रिसिटी, ड्रेनेज और सिवरेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस प्रोजेक्ट में ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी प्राइवेट बैंकों से फाइनेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे इच्छुक खरीदार आसानी से अपना घर या प्लॉट खरीद सकते हैं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

उपलब्ध विशेषताएं
- लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
- जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
- जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
- ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
- गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

डब्लूटीसी : अंक प्रणाली में बदलाव पर सहमत हो सकता है आईसीसी

एजेंसी ▶▶| लंदन

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद अगले चक्र से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक प्रणाली में बड़े बदलावों पर सहमत हो सकता है जबकि सप्ताहांत में जिम्बाब्वे में बैठकों के दौरान टेस्ट क्रिकेट को दो स्तर में विभाजित करने के विवादास्पद प्रस्ताव को स्थगित करने की संभावना है। शनिवार को एक रिपोर्ट में यह कहा गया।

खेल की वैश्विक संचालन संस्था लंबे समय से जीत के अंतर के आधार पर बोनस अंकों की एक नई प्रणाली पर विचार कर रही है जैसी रग्बी यूनियन में उपयोग की जाती है। इसमें विरोधी टीम की ताकत के आधार पर जीत के लिए अंक दिए जाते हैं और विरोधी के मैदान पर जीत के लिए अतिरिक्त अंक मिलते हैं। यह बैठकों की श्रृंखला के दौरान चर्चा का एक बड़ा मुद्दा हो सकता है।

जीत के अंतर के आधार पर बोनस अंकों की नई प्रणाली पर विचार

मौजूदा अंक प्रणाली

मौजूदा डब्ल्यूटीसी प्रणाली समान संख्या में अंक प्रदान करती है जिसमें जीत के लिए 12, टाई के लिए छह और ड्रॉ के लिए चार अंक दिए जाते हैं जिससे असंतोष पैदा हुआ है कि क्रिकेट के 'बिग थ्री' भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया को 'एक दूसरे के खिलाफ अधिक मैच खेलने के कारण नुकसान होता है।'

दक्षिण अफ्रीका की उपलब्धि से नाराजगी

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इस साल के फाइनल में पहुंचने में दक्षिण अफ्रीका की उपलब्धि ने कुछ नाराजगी पैदा की क्योंकि उन्होंने इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया के साथ खेले बिना ऐसा किया। वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला जीतने, भारत के खिलाफ ड्रॉ और भारत में हार के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार फाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त अंक हासिल किए।'

ओवर गति जुर्माने पर चर्चा

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ओवर गति जुर्माने के मुद्दे पर भी चर्चा होगी। रिपोर्ट में कहा गया, 'मौजूदा सत्र में नौ में से छह टीम को धीमे खेल के लिए जुर्माने का सामना करना पड़ा है जिसमें इंग्लैंड को सबसे अधिक नुकसान हुआ। उन्होंने अपने अभियान में 22 अंक गंवाए और 41.5 के अंक प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर रहे। हालांकि इस अवधि के दौरान उनका जीत प्रतिशत 51.5 रहा जो फाइनल में पहुंचे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बाद तीसरा सर्वश्रेष्ठ है।'

टेस्ट दो स्तर में नहीं होगी विभाजित

रिपोर्ट में कहा गया है कि आईसीसी फिलहाल टेस्ट क्रिकेट को दो स्तर में विभाजित करने की योजना को रोक सकता है और एकल लीग डब्लूटीसी प्रारूप को जारी रख सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के दो स्तर के प्रस्ताव पर मतदान नहीं होगा।' इसमें कहा गया है कि आईसीसी को दो स्तरीय प्रणाली के खेल और वित्तीय प्रभावों को समझने के लिए और समय चाहिए और यह प्रस्ताव 2027-2029 डब्ल्यूटीसी चक्र से पहले एजेंडे में हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, 'अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिम्बाब्वे को डब्ल्यूटीसी में जोड़कर छह टीम के दो डिविजन के विस्तार करने के बजाय 2027 तक चलने वाला अगला सत्र अपने मौजूदा नौ टीम के प्रारूप को बनाए रखेगा।'

लखनऊ के नवाबों ने रोका गुजरात का विजयी रथ
सुपर जायंट्स की चौथी जीत

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लखनऊ सुपरजायंट्स ने शनिवार को आईपीएल-2025 में गुजरात टाइटंस को छह विकेट से मात देकर उसके विजयी रथ को रोक दिया। यह लखनऊ की लगातार तीसरी और ओवरऑल चौथी जीत है। गुजरात जायंट्स छह विकेट पर 180 रन बना सका। लखनऊ ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 186 रन बनाकर जीत दर्ज की। जायंट्स के लिए निकोलस पूरन ने 61 रन और एडेन मारक्रम ने 58 रन की पारी खेली। टाइटन्स को इस तरह चार जीत के बाद हार का मुंह देखना पड़ा। इससे पहले कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। सुदर्शन (56 रन) ने सत्र का अपना चौथा अर्धशतक लगाया और गिल (60 रन) के साथ मिलकर बड़े स्कोर के लिए मंच तैयार किया। लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की और तीन विकेट चटकाकर स्कोरिंग गति पर ब्रेक लगा दिया। पहले विकेट के लिए सत्र की सर्वश्रेष्ठ साझेदारी के बाद मेहमान टीम आखिरी आठ ओवरों में सिर्फ 60 रन ही बना सकी।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का पूरन बो बिश्नोई	56	37	7	1
गिल का मारक्रम बो आवेश	60	38	6	1
बटलर का ठाकुर बो राठी	16	14	2	0
वाशिंगटन सुंदर बो बिश्नोई	02	03	0	0
रदरफोर्ड पगबाधा बो ठाकुर	22	19	3	0
शाहरूख खान नाबाद	11	06	0	1
तेवतिया का मारक्रम बो ठाकुर	00	01	0	0
राशिद खान नाबाद	04	02	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 180/6
गेंदबाजी : शार्दुल 4-0-34-2, आकाशदीप 3-0-33-0, राठी 4-0-30-1, आवेश 4-0-32-1, बिश्नोई 4-0-36-2, मारक्रम 1-0-15-0.

लखनऊ	रन	गेंद	4	6
मारक्रम का गिल बो कृष्णा	58	31	9	1
पंत का सुंदर बो कृष्णा	21	18	4	0
पूरन का शाहरूख बो राशिद	61	34	1	7
आयुष बडोनी नाबाद	28	20	2	1
डेविड मिलर बो सुंदर	07	11	0	0
अब्दुल समद नाबाद	02	03	0	0

अतिरिक्त : 09, कुल : 19.3 ओवर में 186/4
गेंदबाजी : सिराज 4-0-50-0, अरशद 2-0-11-0, कृष्णा 4-0-26-2, राशिद 4-0-35-1, सुंदर 4-0-28-1, किशोर 1.3-0-35-0.

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
दिल्ली	4	4	0	8
गुजरात	6	4	2	8
लखनऊ	6	4	2	8
कोलकाता	6	3	3	6
बेंगलुरु	5	3	2	6
पंजाब	5	3	2	6
राजस्थान	5	2	3	4
हैदराबाद	6	2	4	4
मुंबई	5	1	4	2
चेन्नई	6	1	5	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
349 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
12 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : सनराइजर्स के नाम रहा इतिहास का दूसरा सबसे सफल रन चेज
अभिषेक का रिकॉर्ड शतक, हैदराबाद की दूसरी जीत, पंजाब को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग के बड़े स्कोर वाले मैच में शनिवार को यहां पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर लगातार चार हार के क्रम को तोड़ा। पंजाब के 246 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने 18.3 ओवर में दो विकेट पर 247 रन बनाकर जीत दर्ज की। आईपीएल के इतिहास का ये दूसरा सबसे सफल रन चेज रहा। अभिषेक का यह शतक आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाजी का सर्वोच्च स्कोर है। पंजाब ने इससे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर की 82 रन की पारी से छह विकेट पर 245 रन बनाए थे।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 256.36 की स्ट्राइक रेट से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और 55 गेंदों पर 141 रन ठोक दिए। अपनी इस पारी में शर्मा ने 14 चौकों के साथ ही 10 छक्के भी ठोक दिए। ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा के बीच पहले विकेट के लिए 171 रनों की पार्टनरशिप हुई। हेड ने 37 गेंदों का सामना किया और 66 रन बनाए। हेड ने 9 चौकों के साथ ही 3 छक्के भी लगाए। हेनरिक क्लासेन 21 और ईशान किशन 9 रन बनाकर नाबाद रहे।

सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर

रन	खिलाड़ी	वर्ष
175*	क्रिस गेल	2013
158*	बी मैकुलम	2008
141	अभिषेक शर्मा	2025*
140*	क्विंटन डी कॉक	2022
133*	एबी डिविलियर्स	2015

अभिषेक का पर्ची सेलिब्रेशन

हैदराबाद के सलामी बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा ने पंजाब किंग्स के खिलाफ तूफानी शतक लगाया। अपने पहले शतक के लिए उन्होंने उन्होंने 40 गेंदों का सहारा लिया। शतक के बाद अभिषेक ने सेलिब्रेशन के लिए अनोखा तरीका अपनाया। उन्होंने सेंचुरी जड़ने के बाद जेब से पर्ची निकाली और सभी को दिखाई। इसके बाद से ही फैंस के मन में सवाल उठने लगा है कि आखिरी इस पर्ची पर क्या लिखा था। अभिषेक ने जिस पर्ची को दिखाया उस पर लिखा था, 'यह शतक ऑरेंज आर्मी के लिए है।'

अय्यर का अर्धशतक

पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर (82) ने निहाल वढेरा (27) के साथ तीसरे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी भी की। प्रभसिमरन सिंह (42) और प्रियांश आर्य (36) ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 24 गेंद में 66 रन जोड़कर टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 34) ने अंत में तेजतर्रार पारी खेलकर टीम का स्कोर 240 रन के पार पहुंचाया।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
आर्य का नितीश बो हर्षल	36	13	2	4
प्रभसिमरन का कमिंस बो ईशान	42	23	7	1
अय्यर का हेड बो हर्षल	82	36	6	6
वढेरा पगबधा बो ईशान	27	22	2	1
शशांक पगबधा बो हर्षल	02	03	0	0
ग्लेन मैक्सवेल बो हर्षल	03	07	0	0
स्टोइनिस नाबाद नाबाद	34	11	1	4
मार्को यानसेन नाबाद	05	05	0	0

अतिरिक्त : 14, कुल : 20 ओवर में 245/6
गेंदबाजी : शमी 4-0-75-0, कमिंस 4-0-40-0, हर्षल 4-0-42-4, ईशान 4-0-45-2, जीशान 4-0-41-0.

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
हेड का मैक्सवेल बो चहल	66	37	9	3
अभिषेक का स्था. बो अर्शदीप	141	55	14	10
हेनरिक क्लासेन नाबाद	21	14	2	1
इशान किशन नाबाद	09	09	1	0

अतिरिक्त : 10, कुल : 18.3 ओवर में 247/2
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-37-1, यानसेन 2-0-39-0, यश 2.3-0-40-0, मैक्सवेल 3-0-40-0, फर्ग्युसन 0.2-0-1-0, स्टोइनिस 0.4-0-6-0, चहल 4-0-56-1, शशांक 2-0-27-0.

सॉल्ट-कोहली के सामने आज आर्चर की चुनौती

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें रविवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग मैच में जीत की राह पर लौटने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी तो सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट और विराट कोहली के सामने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनों टीमों को पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। आईपीएल के इस सत्र के शुरुआती मैच में इस लीग में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाज बने आर्चर ने लय में वापसी कर ली है। उनकी तेज रफ्तार गेंदें पिछले दो मैचों से कहर बरपा रहीं हैं।

रोहित और राहुल पर होगी निगाह

नई दिल्ली। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा रविवार को यहां मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच में स्पिनरों की कड़ी चुनौती से पार पाकर आईपीएल में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास करेंगे। रोहित जहां रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं वहीं मुंबई की टीम को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो दिल्ली के कुशल बल्लेबाज के एल राहुल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

समझ होने के कारण स्पिनर को उतारा

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे और मोईन अली के कारण एक अतिरिक्त स्पिनर को मैदान में उतारने का निर्णय लिया गया था। केकेआर का यह फैसला आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुआ तथा उसके स्पिनरों सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और मोईन अली ने टीम की आठ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। डिकॉक ने कहा कि मैच आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गया था।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग की पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में

आत्मविश्वास की कमी है जो मौजूदा समय की जरूरत के मुताबिक नहीं खेल पा रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई की टीम को शुक्रवार को एकतरफा मैच में आठ विकेट से हराया। चेन्नई ने इस दौरान अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाने के बाद छह मैचों में लगातार पांचवीं हार का सामना किया।

एशियाई कप 2031 की दावेदारी का समर्थन

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 2031 एएफसी एशियाई कप की मेजबानी करने की भारत की इच्छा के लिए सरकार का पूरा समर्थन देते हुए शनिवार को कहा कि प्रमुख प्रतियोगिताओं की मेजबानी से देश का वैश्विक कद बढ़ेगा जिसका लक्ष्य 2036 ओलंपिक का आयोजन करना है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने 31 मार्च की समय सीमा से पहले महाद्वीप के सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट के 2031 सत्र की मेजबानी के लिए इच्छा पत्र सौंपा है जिसकी घोषणा शुक्रवार को की गई।

फुटबॉल

मोहन बागान ने लीग शील्ड के बाद जीता आईएसएल खिताब

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

मोहन बागान सुपर जाइंट ने शनिवार को यहां कड़े फाइनल में बेंगलुरू एफसी को 2-1 से हराकर इंडियन सुपर लीग फुटबॉल में दोहरी सफलता हासिल की। मोहन बागान ने लीग विजेता शील्ड के बाद आईएसएल कप भी अपने नाम किया। पहला हाफ गोल रहित बराबर रहने के बाद 49वें मिनट में मोहन बागान के अल्बर्टो रोड्रिग के आत्मघाती गोल से बेंगलुरु एफसी ने बढ़त बनाई लेकिन जेसन कमिंग्स ने 72वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। निर्धारित समय में स्कोर 1-1 रहा। मैच इसके बाद अतिरिक्त समय में खिंचा और जेमी मैकलारेन ने अतिरिक्त समय के छठे मिनट में गोल दागकर मोहन बागान सुपर जाइंट्स की जीत सुनिश्चित की। मोहन बागान की टीम आईएसएल के इतिहास में एक ही सत्र में लीग विजेता शील्ड और आईएसएल कप जीतने वाली सिर्फ दूसरी टीम बनी। मुंबई सिटी ने 2020-21 में यह कारनामा किया था।

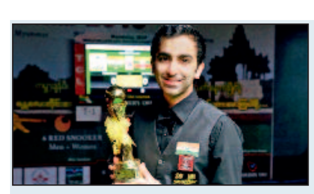

आडवाणी ने डब्लूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में जीता रजत

नई दिल्ली। भारत के सबसे दिग्गज क्यू खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्लूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो के खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की।

फुटबॉल के विकास में अधिक टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने शनिवार को एशियाई फुटबॉल परिसंघ कांग्रेस को दिए एक वीडियो संदेश में दुनिया भर में फुटबॉल के विकास में विस्तारित टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा की। इन्फेंटिनो इस वर्ष के क्लब विश्व कप के मेजबान अमेरिका से मलेशिया के कुआलालंपुर में एकत्रित एएफसी के 46 सदस्य संघों को संबोधित किया। इस क्लब विश्व कप का आयोजन जून और जुलाई में होगा जिसमें 32 टीम भाग लेंगी।

फीफा प्रमुख ने कहा, 'अलग-अलग महाद्वीपों की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका ज्यादा नहीं मिलता है। हम लंबे समय से इस तरह का बदलाव करना चाहते थे।' क्लब विश्व कप में एशिया प्रतिनिधित्व चार टीम करेंगी। इसमें संयुक्त अरब अमीरात की अल-ऐन, सऊदी अरब की अल-हिलाल, दक्षिण कोरिया की उल्सान एचडी और जापान की उरावा रेड्स शामिल है। इन्फेंटिनो ने कहा, '1930 के बाद से अब तक हुए सभी फीफा विश्व कप में जितने खिलाड़ी शामिल हुए हैं, उससे कहीं ज़्यादा खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे।'

बैसोया ने जीता इंडोरामा वेंचर्स ओपन चैंपियनशिप

अहमदाबाद। दिल्ली के सचिन बैसोया ने शनिवार को यहां इंडोरामा वेंचर्स ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चार अंडर 68 का कार्ड खेला और प्लेऑफ में पुणे के उदयन माने को पछाड़कर यादगार जीत दर्ज की। बैसोया (68-71-70-68) ने आखिरी दिन शानदार खेल दिखाया। वह तीसरे दौर के बाद शीर्ष पर काबिज माने से सात शॉट पीछे संयुक्त पांचवें पायदान पर थे। 34 माने आखिरी दौर में 75 का खराब कार्ड खेला जिससे उनका और बैसोया का कुल स्कोर एक समान 11 अंडर 277 हो गया। प्लेऑफ होल (पार-4 18वें) में 29 साल के बैसोया ने बेहतर प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। बेसोया को इस जीत से 30 लाख रुपए का चेक मिला, जिससे वह पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 11वें स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

वनडे में दो गेंद के नियम में बदलाव कर सकता है आईसीसी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजों के दबदबे को लेकर चली आ रही चिंता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद 50 ओवर के प्रारूप में दो गेंद के इस्तेमाल के नियम में बदलाव कर सकता है। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की अध्यक्षता वाली आईसीसी क्रिकेट समिति ने वनडे में एक गेंद के इस्तेमाल की सिफारिश की है। दो नई गेंद का नियम एक दशक से भी अधिक समय से लागू है। इस सिफारिश को आईसीसी के निदेशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए जिसके बाद ही इसे संशोधित खेल शर्तों में शामिल किया जाएगा। आईसीसी बोर्ड रविवार को हरारे में इस मुद्दे पर चर्चा करेगा।

तीन नियमों में बदलाव

आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया, 'आईसीसी क्रिकेट समिति ने तीन नियमों में बदलाव की सिफारिश की है। एक दिवसीय क्रिकेट में एक सफेद गेंद का उपयोग, टेस्ट मैच में ओवर रेट की जांच के लिए 'क्लॉक टाइमर' (टाइमर घड़ी) का उपयोग और अंडर 19 पुरुष विश्व कप को 50 ओवर से टी20 में बदलना।'

ज्योति और ऋषभ ने तीरंदाजी विश्व कप में जीता स्वर्ण पदक

ऑबर्नडेल। ज्योति सुरेखा वेनाम और ऋषभ यादव की भारतीय मिश्रित कंपाउंड टीम ने शनिवार को यहां कड़े फाइनल में चीनी ताइपे के अपने प्रतिद्वंद्वियों हुआंग आई-जौ और चेन चिह लुन को 153-151 से हराकर तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय मिश्रित जोड़ी ने पहली और दूसरी सीरीज 37-38 और 38-39 से गंवा दी लेकिन तीसरे सेट में जोरदार वापसी करते हुए दो 10 और एक 'इनर 10' (10 अंक के अंदरूनी हिस्से में निशाना) की बदौलत 39-38 से जीत हासिल की। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने चौथी और निर्णायक सीरीज आसानी से 39-36 से जीतकर कुल स्कोर 153-151 कर लिया।

केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate
फुल चौक शाखा, रायपुर (छ.ग.)

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत

ऋणी एवं जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	प्रकार / सीमा / बकाया ऋण
1. **श्रीमती पूजा अग्रवाल पत्नी महावीर प्रसाद अग्रवाल**, 53 हरिकुंज, नगर निगम कॉलोनी, समता कॉलोनी, रायपुर-492001 2. **श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल पिता ओम प्रकाश अग्रवाल**, 53 हरिकुंज, नगर निगम कॉलोनी, समता कॉलोनी, रायपुर-492001 3. **मेसर्स महावीर जनरल स्टोर, प्रोप. महावीर प्रसाद अग्रवाल**, लाइफ वर्थ हॉस्पिटल के सामने, गंगाराम नगर, चौबे कॉलोनी, रायपुर-492001	**शीर्षक धारक का नाम- श्रीमती पूजा अग्रवाल पत्नी महावीर प्रसाद अग्रवाल**, स्वामी आत्मा नंद वार्ड, वार्ड नं. 15, मौजा- चिरहुलडीह, प.ह.नं. 106-बी/36/52, आरएनएमः रायपुर -1, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) सिलसिला नं.-143, शीट नं.-11 खसरा नं. 628, प्लॉट नं.-46 नगरपालिका मकान नं. 15/252 (गंगाराम नगर) क्षेत्रफल- 962 वर्गफीट या 89.40 वर्ग मीटर में परिवर्तित भूमि पर स्थित आवासीय भूमि व भवन के समस्त भाग तथा अंश। चौहद्दीः उत्तर- इशिकार का मकान, **दक्षिण-** सड़क, **पूर्व-** गली, **पश्चिम-** नागार्जुन का मकान।	HOUSING LOAN MSME-OD/OCC ₹ 35,50,000.00 11.04.2025 से कुल देय धनराशि ₹ 37,02,050.93 एनपीए तिथि 31.03.2025

उपर्युक्त उल्लेखित उधारकर्ता एवं जमानतदारों ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को बंधक रखकर **केनरा बैंक, फुल चौक शाखा, रायपुर** (छ.ग.) से ऊपर उल्लेखित अनुसार ऋण सुविधा प्राप्त की है तथा ऊपर उल्लेखित जमानतदारों ने गारंटी उपलब्ध करवाई है, उधारकर्ता ऋण स्वीकृति के नियम तथा शर्तों का पालन करने में असफल हो चुके हैं। रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार खाता अनियमित होने पर ऊपर उल्लेखित दिनांक को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बैंक द्वारा उपरोक्त वर्णित बकाया ऋण राशि की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के नोटिस दिनांकित **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** ऋणी व जमानतदारों को एनपीए की तिथि **(ऊपर उल्लेखित अनुसार)** अंतिम ज्ञात पते पर भेजा गया था जो बिना सुपुर्दगी के वापस लौट गया है। जिसके पश्चात् यह प्रकाशन जारी किया जा रहा है जिसके माध्यम से देनदारों व जमानतदारों को ऊपर उल्लेखित धनराशि ब्याज दर **(संविदात्मक दर)**, लागत व्यय इत्यादि के साथ इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर भुगतान करने कहा गया है जिसमें चूक करने पर निम्नलिखित बंधक संपत्तियों पर उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अंतर्गत बैंक की बकाया धनराशि की वसूली हेतु कार्यवाही की जाएगी। ऋणी एवं जमानतदार संपत्ति स्वामी का ध्यान वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधानों के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूति आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है।

दिनांकः 12.04.2024 स्थानः रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/केनरा बैंक

MATS UNIVERSITY

NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

CHHATTISGARH'S FIRST AND ONLY PRIVATE UNIVERSITY ACCREDITED WITH AN A+ GRADE BY NAAC

Ever Wondered Where Your Curiosity Can lead you?

Why MATS University?

State-of-the-Art Infrastructure

Apple Research Lab

MIG- Aeronautial Lab

Interactive Classroom

Interactive Seminar Hall

"Your Future Deserves an A+ Choose MATS University."

Holistic Development

Yoga & Meditation

Cultural Event

Group Discussion

Sports at Campus

ADMISSION OPEN 2025-26

Diverse Academic Excellence : Over 50 Globally recognized programs

M.Tech.
B.Tech.
Diploma
Admission Help Line : 7389356989, 9109951182
M.B.A.
B.B.A. (Hons.)
Admission Help Line : 9109913111
M.Design (Fashion Design)
B.Sc. (Hons.)
(Fashion Design/ Interior Design)
Admission Help Line : 9109951183

LL.M.
B.A. LL.B.
LL.B.
Admission Help Line : 9109997900
M.Com.
B.Com. (Hons.)
Admission Help Line : 7389376989
M.Sc.
Microbiology/ Chemistry/ Botany/ Zoology Mathematics/ Forensic Science

M.Lib.I.Sc.
B.Lib.I.Sc.
Admission Help Line : 9109991031
M.A. - Education
B.Ed.
Admission Help Line : 9109951184
B.Sc.
Biotechnology/ Microbiology
Forensic Science/ CBZ/ PCM
PG Dip. in Forensic Science & Criminology
Admission Help Line : 9109991032

M.Sc. Psychology
P.G.D.G.C.
B.Sc. (Hons.) Psychology
Admission Help Line : 7471180268
M.A.
B.A. (Hons.)
Diploma
Admission Help Line : 7880001773

M.C.A.
M.Sc. (CS)
P.G.D.C.A.
B.Sc.
Animation & Graphic Deisgning
B.C.A.
D.C.A.
Admission Help Line : 9109951181
M.A.
B.A. (Hons.)
Admission Help Line : 9752942949

B.Pharmacy
D.Pharmacy
Admission Help Line : 9755199381
M.A. Yoga
B.P.Ed.
P.G.D.Y.Ed.
Admission Help Line : 9755199381
B.S.W.
M.S.W.
Admission Help Line : 9109994500

ACCREDITATION & AFFILIATION

UGC AIU CGPURC AICTE NCTE BCI NAAC PCI

FOR DETAILS CALL : 1800 123 819999

ADMISSION OFFICE : RAIPUR CAMPUS, MATS TOWER, PANDRI, RAIPUR, CG, 492 004
UNIVERSITY CAMPUS : AARANG KHARORA HIGHWAY, AARANG, RAIPUR, CG, 493 441
Tel : 0771 4078995, 96, 98 Mob: 9109951184, 9755199381, 9109994500 Email : admissions@matsuniversity.ac.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com